जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:28 अंक: 356 दिनांक: 02-05-2024 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

राहुल गांधी अमेठी और प्रियंका गांधी रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। अमर उजाला को सूत्रों से मिली खबर के मुताबिक, दोनों नेताओं को उत्तर प्रदेश की इन दो अहम सीटों से चुनाव लड़वाने का पार्टी मन बना चुकी है।

दिल्ली के 80 से अधिक स्कूलों और नोएडा के कम से कम दो स्कूलों को बुधवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिससे बड़े पैमाने पर स्कूल खाली करने को मजबूर होना पड़ा। जांच में पता चला है कि रूस से ईमेल भेजा गया है।

भीषण गर्मी से धधक रहे शहर, लू के थपेड़ों ने केरल में ली 4 की जान

-आंध्र प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों के लिए हीटवेव के कारण रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो से तीन दिनों के लिए आंध्र प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों के लिए हीटवेव के कारण रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा मौसम विभाग ने तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक और तटीय आंध्र प्रदेश में अगले 4-5 दिनों के लिए हीटवेव चेतावनी स्तर का ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। केरल में तेज गर्मी और हीटस्ट्रोक के कारण 4 लोगों की मौत हो गई है। केरल की हेल्थ मिनिस्टर ने स्थिति को लेकर हाईलेवल मीटिंग बुलाई है।

आईएमडी वैज्ञानिक सोमा सेन ने कहा कि भीषण गर्मी की लहरों से प्रभावित होने वाला मुख्य क्षेत्र पूर्वी भारत है, प्रायद्वीपीय भारत में तीव्रता थोड़ी कम होगी। यह हमारे मासिक पूर्वानुमान के अनुरूप है जिसमें भविष्यवाणी की गई थी कि इन क्षेत्रों में गर्मी की लहरें अधिक गंभीर और तीव्र होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक ने कहा कि झारखंड के लिए हमने ऑरेंज या येलो अलर्ट दिया है। हम अगले 4-5 दिनों के दौरान तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक और तटीय आंध्र प्रदेश के लिए चेतावनी स्तर को ऑरेंज तक बढ़ा रहे हैं। आईएमडी ने कहा कि 15 अप्रैल से ओडिशा में और 17 अप्रैल से गंगीय पश्चिम बंगाल में लगातार लू की स्थिति बनी हुई है। वहीं, आंध्र प्रदेश में रायलसीमा क्षेत्र लगातार भीषण गर्मी की चपेट में है। इसी तरह, केरल में कोट्टायम और अलाप्पुझा जैसे कुछ हिस्से भी भीषण गर्मी से प्रभावित हुए।

तापमान पहुंचा 47.2 डिग्री के आसपास

मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल के कलाईकुंडा में मंगलवार को तापमान 47.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 10.4 डिग्री ज्यादा था। इसको लेकर मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिम बंगाल, गुजरात, बिहार, ओडिशा में अगले दो दिन चरम हीटवेव रहेगा। वहीं, झारखंड, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र व आंध्र में 5 दिन हीटवेव के हालात बने रहेंगे।

पूर्वी- दक्षिणी राज्यों में हीटवेव

मौसम विभाग ने अनुमान जताते हुए कहा कि पूर्वी व दक्षिणी राज्यों के अधिकांश क्षेत्रों में मई में हीटवेव के हालात बने रहेंगे। जिसमें ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक शामिल हैं। वहीं, देश के उत्तर- पश्चिमी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभों का असर बना रहेगा। इसके चलते मई में हर हफ्ते दो से तीन दिन ही पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाएगा।

उत्तर भारत में भीषण गर्मी से राहत

मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर भारत के राज्यों में अगले कुछ दिनों में भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। बिहार, झारखंड समेत मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, उत्तराखंड में भी हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं, पूर्वोत्तर राज्यों में भी हल्की कहीं-कहीं पर हल्की बारिश हो सकती है।

दिल्ली सरकार ने बम की धमकी के बाद स्कूलों के लिए जारी की एडवाइजरी, जानिए क्या है खास

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजधानी दिल्ली के स्कूलों में बम की धमकी की घटनाओं के बाद दिल्ली सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों से कहा है कि वो अपनी आधिकारिक ईमेल आईडी पर जो भी ईमेल या मैसेज आएं उनका समय से चेक करे। चाहे वह स्कूल टाइम से पहले आ रहे हैं, स्कूल के दौरान आ रहे हैं या बाद में आ रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर कुछ भी अवांछित मिलता है तो दिल्ली पुलिस और जिला या जोन के शिक्षा विभाग के डिप्टी डायरेक्टर को जानकारी दे। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनज़र स्कूल अथॉरिटी पेरेंट्स को भी सूचित करें और लॉ एनफोर्समेंट एजेंसी को भी ताकि समय रहते किसी भी तरह की चुनौती या धमकी से निपटा जा सके।

बता दें कि इन धमकियों की जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल करेगी।

दिल्ली पुलिस का कहना है कि मामला स्पेशल सेल में दर्ज किया जा रहा है और इसको लेकर एक टीम बनाई जाएगी। अधिकारी ने कहा कि ये मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित और इसकी गहनता से जांच की जरूरत है। बम की धमकी मिलने के बाद दिल्ली के कई इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई। सभी मेट्रो स्टेशनों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड और बाजारों में सुरक्षा कड़ी की गई। पुलिस उपायुक्त (रेलवे) केपीएस मल्होत्रा ने कहा, ''हमने प्रत्येक स्टेशन पर सुरक्षा कड़ी कर दी है। हमने अपने कर्मियों को सतर्क कर दिया है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी नजर रखने को कहा है।''

अप्रैल महीने में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ के पार

- पिछले साल की तुलना में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश का सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल में 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह पिछले साल अप्रैल महीने की तुलना में 12.4 प्रतिशत अधिक है। घरेलू लेनदेन और आयात में मजबूत तेजी को जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी की वजह बताया गया है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। मंत्रालय ने कहा कि सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है, जो घरेलू लेनदेन (13.4 प्रतिशत की वृद्धि) और आयात (8.3 प्रतिशत की वृद्धि) में मजबूत वृद्धि के दम पर मुमकिन हो पाया।

अप्रैल 2023 की तुलना में 17 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि

अप्रैल 2023 में जीएसटी संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपये था। रिफंड के बाद अप्रैल 2024 में शुद्ध जीएसटी संग्रह 1.92 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 17.1 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। अप्रैल में केंद्रीय जीएसटी संग्रह 43,846 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी 53,538 करोड़ रुपये रहा। एकीकृत जीएसटी 99,623 करोड़ रुपये रहा जिसमें आयातित वस्तुओं पर मिले 37,826 करोड़ रुपये शामिल हैं। उपकर संग्रह 13,260 करोड़ रुपये रहा, जिसमें आयातित वस्तुओं पर संग्रहित 1,008 करोड़ रुपये शामिल हैं। मार्च 2024 में जीएसटी संग्रह 1.78 लाख करोड़ रुपये रहा था। मार्च के जीएसटी संग्रह में रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.65 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले साल मार्च महीने की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि है।

चुनाव आयोग ने जारी किया पहले और दूसरे चरण के मतदान का आंकड़ा

विपक्ष ने उठाए थे सवाल,अभी भी जानकारी सार्वजनिक नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने आम चुनाव के पहले और दूसरे चरण के वोटिंग प्रतिशत का आंकड़ा मंगलवार की शाम को जारी किया है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने बताया है कि 66.14 फ़ीसदी वोटिंग पहले चरण में हुई है। 2019 के चुनाव में 69.43 फ़ीसदी वोटिंग हुई थी।

26 अप्रैल को हुए दूसरे चरण के मतदान में 66.71 फ़ीसदी मतदान हुआ है। 2019 के दूसरे चरण में 69.64 फीसदी मतदान हुआ था।

केंद्रीय चुनाव आयोग के आंकड़ों को समझे तो इस बार औसत 66.43 फ़ीसदी मतदान हुआ है। 2019 में यह 69.4 फ़ीसदी था। 2019 की तुलना में इस बार लगभग 3.11 फ़ीसदी कम मतदान हुआ है।

विपक्ष ने उठाए थे सवाल

पहले दौर के मतदान के 11 दिन बाद भी मतदान के आंकड़े जारी नहीं करने पर, विपक्षी दलों ने केंद्रीय चुनाव आयोग के ऊपर सवाल उठाए थे। इसके पहले 24 घंटे के अंदर चुनाव आयोग मतदान के आंकड़े जारी करता था। 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले एवं दूसरे चरण के मतदान के जो आंकड़े जारी किए गए थे। मंगलवार को जारी किए गए मतदान के आंकड़े काफी ज्यादा हैं। विपक्ष अभी भी मांग कर रहा है,चुनाव आयोग ने संसदीय वार मतदाताओं की जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की है। जब यह जानकारी ही नहीं दी गई। तब किस तरह मान लिया जाए,कि जो मतदान हुआ है। उसका आंकड़ा सही है। हर निर्वाचन क्षेत्र मैं हुए मतदान की जानकारी भी वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है। विपक्ष द्वारा यह भी कहा गया है, कि 4 दिन पहले जो आंकड़े जारी किए गए थे। जो आंकड़े मंगलवार को जारी किए गए हैं। उसमें 5.75 फ़ीसदी का अंतर है।

चुनावी मौसम में मिली बड़ी राहतः एलपीजी सिलेंडर हो गया सस्ता

नई दिल्ली(ईएमएस)। चुनावी मौसम और ग्लोबल स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमतों में आई कमी के चलते गैस सिलेंडर की कीमतों में गिरावट आई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है। सरकार ने बुधवार, 1 मई से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम 19 रुपये घटा दिए है। हालांकि, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। सभी शहरों में दाम यथावत बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रिटेल प्राइस अब 1,745.50 रुपये है। इससे पहले दिल्ली में 19 किलो वाले सिलेंडर की कीमत 1764.50 रुपये थी।

पिछले महीने 1 अप्रैल को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 30.50 रुपये की कटौती की थी। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने इससे पहले मार्च में 25.50 रुपये और फरवरी में 14 रुपये की बढ़ोतरी की थी, जबकि 1 जनवरी को कीमत में 1.50 रुपये की मामूली कटौती की गई थी।एलपीजी के दामों में कटौती के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1,764.50 रुपये से घटकर 1,745.50 रुपये हो गई है. मुंबई में नई कीमत 1,698.50 रुपये तय की गई. चेन्नई में कीमत 1,911 रुपये है, जबकि कोलकाता में 20 रुपये की कटौती के बाद यह कीमत 1,859 रुपये है. गैस सिलेंडर की कीमतों में यह कटौती ग्लोबल ऑयल प्राइस में हालिया गिरावट के कारण आई है।

पत्थर खदान में विस्फोट 3 की मौत

चेन्नई(ईएमएस)। तमिलनाडु के विरुधुनाग में पत्थर खदान में बुधवार को विस्फोट हो गया। इस घटना में 3 मजदूरों की मौत हो गई। बताया गया कि विस्फोट के कारण उनके शरीर के चिथड़े हो गए। विरुधुनगर एसपी ने कहा कि विस्फोट तब हुआ जब मजदूर पत्थर खदान में गाड़ी में से विस्फोटक उतार रहे थे। खदान से जुड़े कागज भी जांचे जा रहे हैं।

बम धमकीः हिंदुस्तान के खिलाफ साइबर वॉर की साजिश रच रहा आईएसआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। इस ईमेल के पीछ पाकिस्तानी कनेक्शन का भी शक जताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक आईएसआई के इशारे पर आईएसआईएस मॉड्यूल की साजिश की भी आशंका जताई जा रही है। इन स्कूलों में धमकी भरे इमेल घ्ए के इशारे पर भेजे जाने का शक है। जिस ईमेल आईडी से दिल्ली एनसीआर के स्कूल को धमकी दी गयी ग्ग्र्स्र्ल

अभी तक की जांच में सामने आया ग्ग्र एक अरेबिक शब्द है, जिसका इस्तमाल 2014 से इस्लामिक स्टेट द्वारा इस्लामिस्ट प्रोपेगंडा को फैलाने के लिए किया जाता है. चुनाव के दौरान घ्ए लगातार हिंदुस्तान में अस्थिरता लाने या फिर कहें पैनिक की स्तिथि पैदा करना चाहता था। इसके लिए घ्ए के इशारे पर घ्ए लगातार हिंदुस्तान के खिलाफ साइबर वॉर की साजिश रच रहा था। यही वजह है कि दिल्ली पुलिस जांच कर रही है की क्या इन धमकी भारी मेल के पीछे किसी आतंकी संगठन की साजिश तो नहीं? बताया जा रहा है कि आज दिल्ली-नोएडा के करीब 100 स्कूलों में धमकीभरे मेल आने के बाद हड़कंप मच गया। इस धमकी भरे मेल की शिकायत स्कूल प्रशासन ने पुलिस को दी। इसके बाद स्कूलों को खाली कराया और स्कूल परिसरों में पुलिस, बम स्क्वाड और दमकल विभाग की टीम ने पहुंचकर तलाशी ली। दिल्ली के स्कूलों में बम की धमकी के मेल की सूचना मिलने के बाद बच्चों के पैरेंट्स के बीच भी अफरा-तफरी का माहौल हो गया और पैरेंट्स बच्चों को लेने स्कूल पहुंचे।

पीएम मोदी ने कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन को बताया फेक फैक्ट्री

साबरकांठा (ईएमएस) दो दिवसीय चुनावी दौरे पर गुजरात आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बनासकांठा के बाद साबरकांठा के हिम्मतनगर में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन पर कड़े प्रहार किए पीएम मोदी ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को फेक फैक्ट्री बताया और कहा कि मुहब्बत की दुकान अब फेक सामान और फेक नारे बेच रही हैं मोदी को बदनाम करने की कोशिश फेक खबरें फैला रहे हैं, लेकिन देश उसे स्वीकार नहीं कर रहे पीएम मोदी ने कहा कि पहले कांग्रेस के लोग डराते थे कि देश में आग लग जाएगी अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना या नहीं? कहीं कुछ नहीं हुआ कहते थे कि कश्मीर से धारा 370 हटाई तो देश टूट जाएगा इतना ही नहीं जम्मू-कश्मीर में कोई तिरंगा उठानेवाले नहीं बचेगा लेकिन उन्हें खबर नहीं है कि यह मोदी हैं कश्मीर से धारा 370 हटी या नहीं? आज लाल चौक में आन बान शान से तिरंगा लहरा रहा है या नहीं? पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस शहजादे के मुताबिक मोदी तीसरी बार सत्ता में आए तो देश में फिर आग लग जाएगी पता नहीं उनके दिमाग में आग कहां से भर गई हैं कांग्रेस के सपने आग में जलकर खाक हो चुके हैं 60 वर्ष सत्ता में रहनेवाली कांग्रेस आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड रही हैं कभी संविधान के नाम पर तो कभी ईवीएम के नाम पर देशवासियों को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं हाल ही में ईवीएम के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने विपक्ष को ऐसा तमाचा मारा है कि अब कभी बोल नहीं पाएंगे अब वह संविधान खतरे में डर लोगों में पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं कभी कहते हैं आरक्षण खत्म हो जाएगा जबकि दशकों तक सत्ता में रहने के बाद कांग्रेस कश्मीर में देश के संविधान को लागू नहीं कर पाई मोदी ने धारा 370 हटाकर कश्मीर में संविधान लागू किया मोदी संविधान के प्रति समर्पित था, है और हमेशा रहेगा पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन एक फेक फैक्ट्री बन चुका हैं वह भले ही कहते हैं मुहब्बत की दुकान है, लेकिन उसमें सामान सब फेक हैं नारे भी फेक है, जिसके जरिए वह मोदी को बदनाम करने की कोशिशों में जुटे हैं लेकिन देश की जनता उनके फेक स्वीकार नहीं कर रही

आज तय होगा अफजाल अंसारी के राजनैतिक भविष्य का फैसला

गाजीपुर (ईएमएस)। गाजीपुर के सियासी रण का फैसला 4 जून को आएगा, पर इसके पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट से मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी के राजनीतिक भाग्य के फैसले की तारीख 2 मई लगी है।

दरअसल, भाजपा के मुहम्मदाबाद से तत्कालीन विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड के गैंगस्टर मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट से अफजाल को सुनाई गई चार साल की सजा पर फैसला होना है। अगर फैसला अंसारी पक्ष में आता है, तब उनका सियासी सफर जारी रहेगा।

साल 2002 के चुनाव में अफ जाल को हराने वाले तत्कालीन भाजपा विधायक राय सहित सात लोगों की 29 नवंबर, 2005 को गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में संजीव जीवा, मुन्ना बजरंगी सहित साजिश में अंसारी बंधुओं पर भी केस दर्ज कराया था। लेकिन इसी केस को आधार बनाकर पुलिस ने वर्ष 2007 में अफजाल व मुख्तार पर गैंगस्टर का मुकदमा भी दर्ज किया था। इस मामले में 29 अप्रैल 2023 को एमपी-एमएलए कोर्ट ने अफजाल को चार व मुख्तार को 10 वर्ष की सजा सुनाई थी। इस फैसले के बाद अफजाल के जेल जाने से संसद सदस्यता खत्म हो गई थी। हाई कोर्ट के आदेश पर जमानत पर छूटे अफजाल ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाकर अपना पक्ष रखा कि जब विधायक हत्याकांड में वे बरी हो चुके हैं,

आर्टिकल 39 बी के तहत निजी संपत्ति को सामुदायिक संसाधन मानने सम्बन्धी याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्या सरकार किसी की निजी संपत्ति को संविधान के आर्टिकल 39 बी के तहत सामुदायिक संसाधन मानकर इसका इस्तेमाल सार्वजनिक हित के लिए कर सकती है? कांग्रेस और बीजेपी के बीच चल रही राजनीतिक बहस के बीच 31 साल पुराने मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतिम दिन की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने एक उदाहरण देते हुए पूछा कि क्या भारत के बाहर सेमीकंडक्टर चिप्स निर्माता को देश में एक इकाई स्थापित करने के लिए कहा जाए लेकिन बाद में बताया जाए कि यह समुदाय का एक भौतिक संसाधन है, और इसे छीन लिया जाएगा तो फिर देश में निवेश कौन करेगा?

शीर्ष अदालत ने कहा, तो सवाल यह है कि क्या कोई व्यक्ति निवेश करता है, एक कारखाना बनाता है और उत्पादन शुरू करता है। कल यह नहीं कहा जा सकता कि इसे श्रमिकों को वितरित करने के उद्देश्य से छीन लिया जाएगा।

इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान पीठ ने इस मामले की सुनवाई पूरी की। सुनवाई पांच दिनों तक चली। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है।

कांग्रेस और बीजेपी के बीच चल रही राजनीतिक बहस के बीच निजी संपत्तियों की मांग और पुनर्वितरण के सरकार के अधिकार क्षेत्र पर बहस में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इस जटिल कानूनी सवाल पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया कि क्या निजी संपत्तियों को संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) के तहत समुदाय का भौतिक संसाधन माना जा सकता है और इसके परिणामस्वरूप सामान्य भलाई को राज्य द्वारा लिया जा सकता है।

मंगलवार को भी अदालत ने कहा था कि, आज के समय में संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) और (सी) को एक परिभाषा के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है जो साम्यवाद या समाजवाद का बेलगाम एजेंडा देता है क्योंकि ये आज हमारा संविधान नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर की गई मांग

एक्सपर्ट्स कोवीशील्ड के साइड इफेक्ट जांचें

- वैक्सीन लगाने से किसी को गंभीर नुकसान पहुंचा, तो सरकार उन्हें हर्जाना दे

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को कोरोना वैक्सीन कोवीशील्ड की जांच के लिए एक याचिका दाखिल की गई। इसमें कहा गया है कि कोवीशील्ड के साइड इफेक्ट्स की जांच करने के लिए एक्सपर्ट पैनल बनाने का निर्देश जारी किया जाए। याचिका एडवोकेट विशाल तिवारी ने लगाई है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन लगाने के बाद किसी को नुकसान पहुंचा तो उन्हें हर्जाना देने का सिस्टम बनाया जाए।

भारत में सबसे पहली कोरोना वैक्सीन कोवीशील्ड है। इसे पुणे की सीरम इंस्टीटयूट ने बनाया है। कोवीशील्ड फॉर्मूला ब्रिटिश फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका से लिया गया है। एस्ट्रेजेनेका ने अब ब्रिटिश अदालत में माना है कि उनकी वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट्स हैं। कहा- कुछ मामलों में थॉम्बोसिस थॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है।

अगले 5 दिनों में महाराष्ट्र और गुजरात में सहित मध्य भारत में लू की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगले 5 दिनों के दौरान महाराष्ट्र और गुजरात में सहित मध्य भारत में लू चलने की संभावना है। बता दे कि, साइक्लोनिक सर्कुलेशन पूर्वोत्तर बांग्लादेश के ऊपर बना हुआ है और निचले क्षोभमंडल (लोअर ट्रोपोस्फेयर) स्तर पर एक ट्रफ रेखा बिहार से नागालैंड तक बनी हुई है। एक अन्य चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडल स्तर पर पूर्वोत्तर असम पर स्थित है। बंगाल की खाड़ी से उत्तर-पूर्व भारत तक तेज़ दक्षिण-पश्चिमी हवाएँ चल रही हैं। अगले 5 दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, सिक्किम, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में सभी स्थानों पर व्यापक रूप से, 01 मई, 2024 को सिक्किम में छिटपुट ओलावृष्टि के साथ हल्की से मध्यम वर्षा/हिमपात के साथ अलग-अलग स्थानों पर गरज और चमक के साथ तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है। 01-02 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय में तथा 01-03 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 01 और 02 मई को अरुणाचल प्रदेश और 02 मई 2024 को दक्षिण असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होगी। 3 मई से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में गरज और बिजली के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा/हिमपात होने की संभावना है। 04-06 मई 2024 के दौरान हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब, राजस्थान एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर गरज और बिजली गिरने के साथ बहुत हल्की/हल्की वर्षा होने की संभावना है। साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार और हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में तेज़ सतही हवाएँ (25-35 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है।

15 मई तक इजरायल के लिए बंद रहेंगी एअर इंडिया की उड़ानें

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में तनाव के चलते इजरायल की उड़ानों को निलंबित कर दिया हैं। विमानन कंपनी एअर इंडिया ने इजरायल की उड़ानों को लेकर नया अपडेट शेयर किया है, इसमें कंपनी ने बताया कि फिलहाल तेल अवीव के लिए फ्लाइट का और इंतजार करना होगा। टाटा समूह की विमानन कंपनी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से मंगलवार को तेल अवीव की अपनी उड़ानों के बारे में लेटेस्ट अपडेट शेयर किया। कंपनी ने कहा कि पश्चिम एशिया में जो स्थिति बनी हुई है, उसे देखते हुए तेल अवीव जाने वाली और वहां से आने वाली उड़ानों के निलंबन को आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। ये उड़ानें अब 15 मई 2024 तक निलंबित रहने वाली हैं।

तेल अवीव इजरायल की राजधानी है। पिछले महीने पश्चिम एशिया के दो प्रमुख व शक्तिशाली देशों ईरान और इजरायल के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था। पहले ईरान ने इजरायल के ऊपर ड्रोन व मिसाइलों से हमला किया था। बाद में ऐसी खबरें आई थीं कि इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई में ईरान पर ड्रोन से हमला किया है। हालांकि उसके बाद तनाव बढ़ा नहीं है, लेकिन अभी भी स्थिति सामान्य नहीं हुई है। दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने के बाद भारतीय विमानन कंपनी एअर इंडिया ने तेल अवीव की अपनी उड़ानों को निलंबित करने का फैसला लिया था। कंपनी ने तनाव बढ़ने के बाद 19 अप्रैल को बताया था कि इजरायल की राजधानी के लिए उसकी उड़ानें 30 अप्रैल तक निलंबित रहेंगी। अब निलंबन को 15 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

बाइनेंस के फाउंडर को 4 महीने की जेल

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस के फाउंडर और पूर्व सीईओ चांगपेंग झाओ को चार महीने जेल की सजा सुनाई गई है। झाओ को अमेरिका के एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग कानूनों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। अमेरिका के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज रिचर्ड जोन्स ने यह सजा सुनाई है। कोर्ट ने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज पर 4.32 बिलियन डॉलर (करीब 36,068 करोड़ रुपए) का फाइन भी लगाया है। जबकि, झाओ ने 50 मिलियन डॉलर (करीब 417 करोड़ रुपए) जुर्माने के साथ-साथ स् कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन को 50 मिलियन डॉलर का पेनल्टी भरा है।

कनाडा में छात्रों के लिए आए नए नियम से भारतीय छात्र भी होंगे प्रभावित

टोरंटो(ईएमएस)। कनाडा सरकार ने दूसरे देशों के कनाडा में पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए नए नियम जारी किए है। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एक नया नियम बनाया है। जो सितंबर से लागू किया जाएगा। इस नियम के तहत अब अंतरराष्ट्रीय छात्र हफ्ते में केवल 24 घंटे ही कॉलेज कैंपस से बाहर जाकर काम कर सकेंगे। इससे पहले तक अंतरराष्ट्रीय छात्रों को 20 घंटे से अधिक समय तक कैंपस से बाहर काम करने की अनुमति थी, लेकिन ये अस्थायी नीति 30 अप्रैल को खत्म कर दी गई।कनाडा के नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने बताया कि हम कैंपस से बाहर काम करने की समय सीमा को हफ्ते में केवल 24 घंटे कर रहे हैं।

सितंबर से 24 घंटे तक ही अंतरराष्ट्रीय छात्र कैंपस से बाहर जाकर काम कर सकेंगे। जो छात्र कनाडा आते हैं, उन्हें पढ़ने के लिए अवश्य आना चाहिए, वे पढ़ाई पर फोकस कर सकें, इसलिए ऐसा किया जा रहा है। छात्रों को प्रति सप्ताह 24 घंटे तक काम करने की अनुमति देने से यह कि वे मुख्य रूप से अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यदि जरूरी होगा तो काम का विकल्प भी उनके पास रहेगा। उन्होंने कहा कि कैंपस से बाहर काम करने से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वर्क एक्सपीरियंस मिलेगा। साथ ही कुछ खर्चों की भरपाई करने में भी मदद मिलती है। कोरोना के दौरान 20 घंटे काम करने की अस्थायी अनुमति दी गई थी। अब प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी की सरकार ने 20 घंटे की सीमा को खत्म कर दिया था। ये छूट मंगलवार को समाप्त हो गई. कनाडा भारतीय छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा स्थानों में से एक है। कनाडाई ब्यूरो की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा में 3,19,130 भारतीय छात्र थे। यहां के कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों की संख्या सबसे अधिक है। मिलर ने कहा कि कैंपस से बाहर काम करने से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वर्क एक्सपीरियंस मिलता है। साथ ही कुछ खर्चों की भरपाई करने में भी मदद मिलती है। हम चाहते हैं कि वे यहां रहने के लिए तैयार रहें और सफल होकर जाएं।

इस माह खत्म होगा सीबीएसई छात्रों का इंतजार

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के लाखों छात्र केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा 10वीं और 12वीं के रिजल्ट घोषित होने के इंतजार में हैं। सीबीएसई बहुत जल्द परीक्षाओं का रिजल्ट जारी कर सकता है। हालांकि, परिणाम जारी करने से पहले बोर्ड की ओर से रिजल्ट की डेट और टाइम के बारे में बताया जाएगा। दोनों क्लास के नतीजे एक ही दिन जारी होने हैं या नहीं इसकी जानकारी अभी पुख्ता रूप से सामने नहीं आई है। इस बीच छात्रों के मन में इस बात को जानने की उत्सुकता है कि रिजल्ट किस दिन आ सकते हैं?

सीबीएसई इस महीने कक्षा 10वीं और 12वीं का परिणाम जारी करने के लिए तैयार है। मगर इस बीच सोशल मीडिया पर एक नोटिस वायरल हो रहा है जिसमें दावा किया गया है कि परिणाम 1 मई को दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच जारी होने है। इस नोटिस को लेकर सीबीएसई पीआरओ रमा शर्मा ने अधिसूचना के फर्जी होने की पुष्टि की।

सुपरसोनिक मिसाइल-असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो प्रणाली का सफलतापूर्वक हुआ परीक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुपरसोनिक मिसाइल-असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो (स्मार्ट) प्रणाली का 01 मई, 2024 को सुबह लगभग साढ़े 8 बजे सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया है। यह पूरी प्रक्रिया ओडिशा के समुद्री तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से संपादित की गई। स्मार्ट नई पीढ़ी की मिसाइल-आधारित कम भार वाली एक आयुध प्रणाली है, जिसमें एक हल्का टॉरपीडो लगाया जाता ह

" और इस टॉरपीडो का इस्तेमाल पेलोड की तरह होता है। इसे भारतीय नौसेना की पनडुब्बी र

जन हितैषी

कोविशील्ड वैक्सीन और मोदी की विश्वसनीयता

ब्रिटेन की कंपनी एस्ट्राजेनिका ने ब्रिटेन की हाईकोर्ट में स्वीकार किया है कि उसकी कोरोना वैक्सीन से हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा है। रक्त के थक्के जम जाने का भी साइड इफेक्ट हो सकता है। ब्रिटेन की कंपनी एस्ट्राजेनिका के फार्मूले से ही भारत में सीरम इंस्टीटयूट द्वारा कोविशील्ड वैक्सीन को तैयार किया गया था। ब्रिटेन की कंपनी ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर इसे तैयार किया था। ब्रिटेन की दवा कंपनी द्वारा हाईकोर्ट में स्वीकार किया गया है कि वैक्सीन लगने के बाद इसके साइड इफेक्ट भी हैं। ब्रिटेन की कंपनी यह बताने से हमेशा बचती रही है। 2023 में इस कंपनी के खिलाफ वैक्सीन लगाने के बाद हुए साइड इफेक्ट से हर्जाने की मांग का मुकदमा ब्रिटेन की अदालत में चल रहा था। अब जाकर कंपनी ने स्वीकार किया है, ??जिन्हें वैक्सीन लगाई गई थी, उन्हें गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ा है। मरीजों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। ब्रिटेन की कंपनी ने यह भी स्वीकार किया है कि क्लिनिकल ट्रायल और अलग-अलग देशों के डेटा से यह साबित भी होता है कि जिन लोगों को वैक्सीन लगी है, उनके ऊपर अलग-अलग प्रभाव देखने को मिले हैं। इसके बाद भी कंपनी ने दावा किया, कि उसकी वैक्सीन सुरक्षा से जुड़े हुए मामलों को पूरा करती है।

भारत में इस वैक्सीन के ब्रांड एंबेसडर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने थे। भारत सरकार ने कहा था इस वैक्सीन की जांच इंडियन कौंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च द्वारा की जा चुकी है। इसे अदार पूनेवाला ने सीरम इंस्टीटयूट की खोज बताया था। यह दावा अब गलत साबित हुआ है। भारत सरकार ने कोविशील्ड वैक्सीन को सुरक्षित मानते हुए इसे सभी के ?लिये अनिवार्य किया था। भारत में लगभग 175 करोड़ वैक्सीन के डोज महिला पुरुष और बच्चों को लगाए गए हैं। इस वैक्सीन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र छापकर इसे विश्वसनीय बनाया गया था। निशुल्क वैक्सीन सरकारी खर्चे पर नागरिकों को लगाई गई थी। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आमजनों के बीच लोकप्रियता और विश्वसनीयता का लाभ कंपनी को मिला। पिछले वर्षों में जिस तरह से साइलेंट हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक के मामले भारत में बड़ी तेजी के साथ बढे हैं। कोरोना के दूसरे फेस में लाखों लोगों की मौत हुई थी। उनमें किसी के पोस्टमार्टम नहीं कराए गए। अस्पतालों में जो कोरोना के मरीज भर्ती होते थे, उन्हें कोरोना के मरीज मानकर तथा जिन मरीजों की मौत अन्य बीमारियों के कारण चिकित्सा के दौरान हुई थी। उनको साधारण मौत मानकर उनका भी शव परीक्षण नहीं कराया गया, जिसके कारण यह कहना मुश्किल है कि वैक्सीन के साइड इफेक्ट के कारण मौत हुई है। भारत में साइलेंट हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और रक्त संबंधी बीमारियों के कारण उन लोगों की मौत हुई है। भारत में दूसरे चरण का मतदान हो चुका है। पांच चरण का मतदान होना है। इसी बीच ब्रिटेन हाईकोर्ट में कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी ने साइड इफेक्ट की जो बात स्वीकार की है, उसको लेकर अब भारत में भी भय का वातावरण देखने को मिल रहा है। अकेले दिल्ली में 30000 लोगों की मौत हार्ट अटैक के कारण हुई है। विभिन्न राज्यों में बहुत कम उम्र के लोग नाचते-गाते, व्यायाम करते, अथवा बैठे-बैठे ही साइलेंट हार्ट अटैक से मौत हो जाने के मामले रोजाना देखने और सुनने को मिलते हैं। भारत सरकार ने अभी तक इस तरह के मामलों में कोई जांच नहीं कराई है। एम्स जैसे संस्थान ने कोरोना के कुछ मरीजों की मौत के बाद शव का परीक्षण किया गया था। उसकी रिपोर्ट भी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक से कम उम्र के लोगों की जो मौत हो रही है उसके बारे में भी अभी तक कोई जांच शुरु नहीं की गई है। भारतीय नागरिक जिन्हें अनिवार्य रूप से वैक्सीन लगवाई गई थी, उन सबमें भय का वातावरण बन गया है। वैक्सीन बनाने वाली कंपनी और अन्य दवा कंपनियों ने जिस तरह से राजनीतिक दलों को चंदा दिया है। उसके बाद यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि सरकार ने इस मामले में लापरवाही बरती है। कोरोना काल में ही सबसे ज्यादा चंदा दवा कंपनियों द्वारा राजनीतिक दलों को दिया जाना तथा अमानक दवाइयों के निर्माण और बिक्री पर रोक नहीं लगाए जाने से आम आदमियों को जान और माल का नुकसान हुआ है। इसका असर राजनीतिक दलों और राजनेताओं की साख पर भी पड़ेता हुआ दिख रहा है।

लव जिहाद के बाद अब वोट जिहाद...

जिहाद वैसे कोई आतंकी शब्द नहीं है लेकिन इसका जन्म चूंकि अरबी भाषा से हुआ है इसलिए सनातनी इसे आतंक का पर्याय मानने लगे हैं। जिहाद का शुब्दिक अर्थ जाने बिना देश में वर्षों से राजनीति हो रही है। पहले लव जिहाद के नाम पर हुई और अब वोट -जिहाद के नाम पर हो रही है । लव जिहाद को लेकर भाजपा आक्रामक थी और वोट जिहाद कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद का जुमला है।

जिहाद का शब्दिक अर्थ होता है नैतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए की जाने वाली ज़द्दोज़हद या संघर्ष, किसी जायज़ माँग के लिए भरपूर कोशिश करना या आंदोलन। जिहाद का अर्थ मेहनत और मशक़्क़त करना भी है किन्तु जिहाद का दुर्भाग्य कि उस जैसे पवित्र शब्द का चरमपंथियों ने गलत अर्थ दुनिया को समझा दिया और अब ये आम जिंदगी से निकालकर सियासत का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। इसके लिए जितने चरमपंथी जिम्मेदार हैं उतनी ही भाजपा और कांग्रेस भी जिम्मेदार है । भाजपा ने जिहाद के बाद लव -जिहाद को औजार की तरह इस्तेमाल किया तो मौजूदा आम चुनावों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने मुस्लिम मतदाताओं से सत्ता परिवर्तन के लिए वोट जिहाद करने की अपील कर दी और अब फंस गए। उनके खिलाफ बाकायदा आपराधिक मुकदद्मा दर्ज कर लिया गया है।

उत्तर प्रदेश में मुसलमानों को लेकर सरकार अतिरिक्त रूप से संवेदनशील है ,शायद इसीलिए खुर्शीद की भतीजी मारिया आलम के वीडियो वायरल होने के तुरंत बाद फर्रुखाबाद पुलिस ने मारिया आलम और सलमान खुर्शीद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। दोनों नेताओं पर आईपीसी की धारा 188, 295 (ए) और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया। अब उत्तरप्रदेश की सरकार और पुलिस के ऊपर है की वो खुर्शीद साहब और उनकी भतीजी को गिरफ्तार करती है या नहीं ?

खुर्शीद साहब मुझसे उम्र में छह साल बड़े हैं ,वो मुझे अपनी शराफत,नजाकत और बुद्धिमत्ता की वजह से शुरू से प्रिय रहे हैं। उनका मुसलमान होना एक संयोग है । वे मुसलमान भी न होते तो एक मनुष्य के रूप में उतने ही चर्चित होते जितने की आज हैं। खुर्शीद भाई को पूरा देश जानता है। आज के विदेश मंत्री जयशंकर से ज्यादा जानता है। सलमान खुर्शीद एक भारतीय राजनीतिज्ञ,चर्चित वरिष्ठ अधिवक्ता, प्रख्यात लेखक और कानून शिक्षक हैं। वे विदेश मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री थे। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से संबंधित हैं वह एक वकील और एक लेखक है ड1. जो 2009 की आम चुनाव में फर्रुखाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। इससे पहले खुर्शीद 1991 में फर्रुखाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से 10 वीं लोकसभा के लिए चुने गए थे। वह जून 1991 में वाणिज्य के केंद्रीय उप मंत्री बने, और बाद में विदेश मामलों के राज्य मंत्री बन गए। खुर्शीद साहब शुरू में नेता नहीं बल्कि 1981 में प्रधान मंत्री कार्यालय में एक विशेष अधिकारी के रूप में पदस्थ थे तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी उन्हें राजनीति में लेकर आयीं।

दरअसल जो लोग खुर्शीद को नहीं जानते उन्हें बता दूँ की सलमान खुर्शीद उस व्यक्ति का नाम है जो अपना घर फूंक क्र तमाशा देखने वाला है। एक लेखक है,एक अभिनेता है और बाद में जन नेता है। सलमान से असहमत लोगों ने सलमान खुर्शीद के नैनीताल स्थित आवास को आग तक लगा दी थी लेकिन न सलमान खुर्शीद बदले और न उनके स्वर । वे 1992 में जैसे थे वैसे ही 2024 में भी हैं। सलमान खुर्शीद और उनकी भतीजी को वोट के जरिये व्यवस्था बदलने के लिए जिहाद शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था,क्योंकि इस देश में आज भी कूढ़ मगज लोग जिहाद के नाम से भड़क जाते हैं ,जैसे जिहाद कोई संक्रामक रोग हो ! सलमान खुर्शीद की मजबूरी ये रही कि वे जिस इलाके में राजनीति करते हैं उस इलाके में उर्दू मातृभाषा के रूप में प्रचलित है। वे यदि परिवर्तन के लिए जिहाद शब्द का इस्तेमाल न करते तो मुमकिन था कि उनकी बात स्थानीय मतदाता समझ न पाता।

इस देश में मुसीबत ये है कि जो होता है उसे वो माना नहीं जाता । जैसे जो हेट स्पीच है उसे हेट स्पीच नहीं कहा जाता और जो हेट स्पीच नहीं है उसे आनन-फानन में हेट स्पीच मान लिया जाता है। घृणा की भाषा के बारे में जब हमारे नेता नहीं जानते तो हमारी पुलिस उसके बारे में कैसे जान सकती है ? पुलिस तो हुक्म की गुलाम है। उसके हाथ बंधे हैं। भारत में पुलिस के हाथ लम्बे जरूर होते हैं किन्तु उन्हें काम नहीं करने दिया जाता। हमारी पुलिस आज भी अंग्रेजों के जमाने कीपुलिस है। पुलिस तब बदलेगी जब देश का संविधान बदलेगा। संविधान तब बदलेगा जब मोदी जी तीसरी बार सत्ता में वापस आएंगे। तब तक हमें ,आपको ,सलमान खुर्शीद को इन्तजार करना होगा। अभी चुनाव के पांच चरण बाक़ी हैं ,देखिये आगे-आगे होता है क्या ? वैसे मै ईमानदारी से कहूँ कि आज आम चुनाव एक धर्मयुद्ध जैसा ही है। एकदम महाभारत के माफिक। लोकतंत्र में वोट जिहाद के बिना कोई तब्दीली आ ही नहीं सकती। इसलिए यदि आपके पास मताधिकार है तो आप वोट जिहाद यानि वोट से क्रांति कर सकते है।भाजपा भी यदि तीसरी बार सत्ता में वापस आएगी तो वोट कि जरिये ही । (लेखक राकेश अचल / ईएमएस)

लोकसभा चुनाव में मुद्दों को नया विमर्श दें

लोकसभा चुनावों के प्रचार अभियान में एक आवाज बहुत धीमी पर एक वजन और पीड़ा के साथ सुनने को मिल रही है कि इस चुनाव को येन-केन-प्रकारेण जीतने के सभी जायज एवं नाजायक प्रयोग हो रहे हैं, लेकिन नैतिकता, मूल्य एवं आदर्श की बात कहीं भी सुनाई नहीं दे रही है। देश का राजनीतिक भविष्य तय करने वाले इन चुनावों में एक और विडम्बना देखने को मिल रही है कि राष्ट्र विकास के मुद्दों एवं आजादी के अमृतकाल को अमृतमय बनाने की कोई चर्चा नहीं है। देश को दिशा देने एवं कोई नया विमर्श खड़ा करने का नेताओं के पास अभाव है, जो अपने-आप में एक त्रासदी है। मतदाताओं की लोकतंत्र के महाकुंभ में भागीदारी का घटना भी एक चिन्ता का सबब है। जबकि किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है।

विभिन्न राजनीतिक दल आरक्षण का मुद्दा खड़ा करके जहां अल्पसंख्यकों को अपनी ओर खींचने की कोशिश करते हुए भाजपा को आरक्षण विरोधी बता रहे हैं और गृहमंत्री अमित शाह के आरक्षण विषयक बयान को तोड़-मेरोड कर झूठे एवं फेक वीडियो के माध्यम से भाजपा के चरित्र को धुंधला रहे हैं, वहीं आम महिलाओं के डर का सहारा लेते हुए उनके मंगल सूत्र और स्त्री धन को छीन लिए जाने की बात कही जा रही है। सैम पित्रोदा के विरासत कर संबंधी बयान से आम जनता के धन को हथियाने की बातें भी हो रही है। लेकिन प्रश्न है कि क्या कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने की संभावना है? सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाती है। चुनाव अभियान तीसरे चरण की ओर अग्रसर हैं। सब राजनैतिक दल अपने-अपने 'घोषणा-पत्र' को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है।

एक-दूसरे की नीतियों एवं योजनाओं की आलोचना चुनाव का हिस्सा बनी हुई है और बनना भी चाहिए। लेकिन एक-दूसरे पर भीषण एवं भद्दे आरोप लगाना, लोकतंत्र की मर्यादा का उल्लंघन है। परंतु मौजूदा चुनाव प्रचार में राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता के ताने-बाने को क्षति पहुंचाने की चेष्टा का होना दुर्भाग्यपूर्ण है। सभी दल भाषणों में नैतिकता की बातें करते हैं और व्यवहार में अनैतिकता को छिपा रहे हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों की ही बात करें तो पिछले सप्ताह तक ही आचार संहिता उल्लंघन की 200 से अधिक शिकायतें आ चुकी है। जिनमें से 169 शिकायतों पर आयोग ने कार्रवाई की है। शिकायतों के आंकड़े बढ़ते ही जा रहे हैं। वास्तव में इन चुनावों में नेताओं ने भाषा एवं भावों को इतना बदरंग, अशालीन एवं भोंथरा कर दिया है कि शर्म-सी महसूस होती है।

दागी उम्मीदवारों के दागों का पर्दापाश होना भी इन चुनावों का हिस्सा है। कथित तौर पर प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े वीडियो क्लिप प्रसारित होने से देखा गया है कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की घटना हुई है। रेवन्ना के खिलाफ शिकायत कुछ महिलाओं के शोषण तक ही सीमित नहीं है, अब अनेकों शिकायतें सामने आएगी और हर शिकायत को ईमानदारी से परखना होगा। सबसे ज्यादा गंभीर बात तो यह है कि आरोपी जर्मनी भाग गया? अगर रेवन्ना दोषी हैं तो उन्हें कानून का सामना करना चाहिए। अगर वह कानून से भागेंगे तो इससे उनकी पार्टी और एनडीए दोनों को ही नुकसान होगा। रेवन्ना देश के पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पौत्र है और उन पर लगे आरोप बहुत ही गंभीर और शर्मनाक है। सत्ता का किसी भी प्रकार का दुरुपयोग ज्यादा समय तक लाभकारी नहीं होता है। हमारा समाज ऐसे मुकाम पर आ गया है, जहां हम किसी महिला के साथ न ज्यादती की सुन सकते हैं और न किसी को करने दे सकते हैं। बात प्रज्वल रेवन्ना एवं बृजभूषण शरण सिंह तक सीमित नहीं हैं, विशेषत: चुनाव में ऐसे मुद्दों का उठना प्रासंगिक है, जिससे उम्मीदवारों को अपने गिरेबार में झांकने का अवसर मिलता है। राजनीतिक दलों को भी उम्मीदवारों का चयन करते हुए उनके चरित्र की परख गहराई से करनी ही चाहिए।

वर्ष 2024 के चुनावों में हम सात में से तीसरे चरण की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी तक भाजपा की चुनावी थीम सामने नहीं आई है, विपक्षी दलों के घोषणा पत्रों या चुनावी बयानों की चीरफाड ही होती हुई दिख रही है। आतंकवादियों और दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मारने की बात करने वाली भाजपा के बयानों में चीन पूरी तरह गायब है और पाकिस्तान का जिक्र भी बहुत कम है। निश्चित ही भाजपा जीत की ओर अग्रसर है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन सुनिश्चित जीत के साथ सुनिश्चित भविष्य की बात भी होनी ही चाहिए। हकीकत में चुनाव में अनेक उतार-चढ़ाव के बावजूद मोदी का जादू चल रहा है, ऐसी अनेक वजहों से 2024 असाधारण रूप से बिना सशक्त मुद्दे के ही गतिमान है। आश्चर्य की बात यह है कि हमारी राष्ट्रीय राजनीति के मौजूदा दौर के सबसे बड़े जादूगर नरेंद्र मोदी ने अब तक इन चुनावों के लिए कोई सशक्त मुद्दा नहीं पेश किया है जो पहले से सातवें चरण तक चल सके। हर चुनावी चरण एवं सभा में एक नया मुद्दा उभर रहा है, जो कुछ दूर चल कर पृष्ठभूमि में चला जाता है।

भाजपा की ओर से इन चुनावों में मोदी ही मुद्दा है। चुनाव अभियान का आरंभ करते हुए कहा गया कि नरेंद्र मोदी ही भारत को अधिक ऊंचा वैश्विक कद दिला रहे हैं। भारत मंडपम में जी 20 शिखर बैठक को भुनाने की कोशिश हुई। लेकिन यह भी मुद्दा चुनावी गणित में फिट नहीं हुआ। महिला मतदाताओं को लुभाने का दांव भी चला। निर्वाचन वाली संस्थाओं में महिलाओं के आरक्षण के लिए आनन-फानन में पारित कानून इसका हिस्सा था। लेकिन भाजपा के चुनाव प्रचार में इसका जिक्र भी नहीं सुनने को मिल रहा है। इन चुनावों में भी पार्टी के उम्मीदवारों में महिलाओं की हिस्सेदारी 16 फीसदी है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को भी चुनावों के लिहाज से गर्म मुद्दा माना गया था। इसके बावजूद विभिन्न राज्यों में भाजपा के नेताओं के चुनाव भाषणों पर नजर डालें तो पता चलता है कि उनमें इस पर जोर या इसका जिक्र नहीं है। यह मुद्दा हाल में तब उठा जब ऐसे संकेत मिले कि राहुल और प्रियंका गांधी राम मंदिर जा सकते हैं। कुछ सप्ताह पहले भारत रत्न की घोषणा का मुद्दा भी दूर तक नहीं चल सका। ऐसी अनेक उपलब्धियां एवं ऐतिहासिक कार्य हैं, जो मोदी के कद को ऊंचा तो बनाते हैं, लेकिन चुनाव की दिशा को एकदम एवं दूर तक प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं।

बात राज्यों की हो या केन्द्र की, भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग पर चुनावों में चर्चा होनी ही चाहिए। भारत के मतदाता मिलकर सरकारों को जवाबदेह ठहराने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। लेकिन मौजूदा लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान 2019 की तुलना में 7 प्रतिशत कम हुआ है। यह एक चिंताजनक संकेत है और चुनावी प्रक्रिया से मतदाताओं के अलगाव को दर्शाता है। यह भाजपा के मतदाताओं में चली आई आत्मसंतुष्टि की ओर भी संकेत करता है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल को लेकर आश्वस्त हैं। हालांकि, इसका एक और पहलू यह भी है कि 2023 में, प्यू रिसर्च सेंटर ने भारतीय मतदाताओं का एक सर्वेक्षण किया था, जिसमें पता चला था कि 85 प्रतिशत लोगों ने भारत में सैन्य शासन या निरंकुश नेता का समर्थन किया था। क्या शासन के अच्छे तरीके के रूप में लोकतंत्र के समर्थन में गिरावट का ही परिणाम कम होता मतदान है? अगर मतदाता लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपना विश्वास खो रहे हैं तो यह भारत के लोकतंत्र और भविष्य के लिए चिंताजनक संकेत है। इससे निर्वाचित नेता भी जनता के प्रति जवाबदेही से मुक्त होने लगेंगे। भारत के मतदाताओं को समझना चाहिए कि पिछले सतहत्तर वर्षों में देश की सफलता उसके लोकतंत्र की सफलता पर ही आधारित रही है। इसलिये मतदाता को जागरूक होकर अधिकतम मतदान करना चाहिए। साथ-ही-साथ मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि ''अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।''(लेखक - ललित गर्ग/ ईएमएस) (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

तर्कहीन बयानों से जूझती चुनावी राजनीति

- भ्रमित होते आम मतदाता किस पर करे विश्वास

भारत में एक समय ऐसा भी था ज़ब राजनीति से आम जनमानस का विश्वास समाप्त होता जा रहा था। राजनीतिक दलों से जो अपेक्षा थी, सब जनता की इन अपेक्षाओं पर पानी फेरते दिखाई दे रहे थे। उस समय देश की यह अवधारणा बन गई थी कि अब भारत की राजनीति ऐसे ही चलती रहेगी। लेकिन 2014 के बाद देश ने एक नई राजनीति का साक्षात्कार किया। एक ऐसी राजनीति जिसमें सपने भी थे और एक उम्मीद भी थी। आज इस समय को दस वर्ष का समय व्यतीत हो गया है। सपने पूरे हुए या नहीं, यह तो परीक्षण का विषय है, लेकिन आज की राजनीति बदली हुई दिखाई देती है, यह अवश्य ही कहा जा सकता है। लेकिन आज भी जिस प्रकार से सत्ता प्राप्त करने की लालसा लेकर राजनीतिक दल राजनीति कर रहे हैं, वह प्रथम दृष्टया यही परिलक्षित कर रहे हैं कि राजनीतिक दलों के पास अपने कोई स्थायी सिद्धांत नहीं हैं। विपक्ष के दल वर्तमान केंद्र सरकार को घेरने के लिए कई प्रकार के राजनीतिक दांव पेच खेल रहे हैं, वहीं सत्ता धारी दल भाजपा भी किसी भी तरीके से पीछे नहीं कही जा सकती।

इस प्रकार की राजनीति के चलते देश का आम जनमानस निश्चित रूप से भ्रम की अवस्था में है। सारे दल अन्य दलों से अपने आपको बेहतर बताने की राजनीति कर रहा है। इसके लिए कुछ राजनीतिक दल अपने हिसाब से तर्क भी दे रहे हैं। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि इस बार विपक्षी दलों के राजनेता सधे हुए क़दमों से अपनी पारी को अंजाम दे रहे हैं। क्योंकि पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान जिस प्रकार से कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सार्वजनिक रूप से चोर कहने का दुस्साहस किया गया, उससे कांग्रेस की फ़जीहत हो गई थी, इतना ही नहीं राहुल गाँधी को माफ़ी भी मांगनी पड़ी। इस बार परिदृश्य बदला हुआ है। विपक्ष के नेता सरकार को लक्ष्य करके आलोचना कर रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि इन आलोचनाओं में भी वह धार नहीं है कि वह अकेले दम पर सरकार बनाने का सामर्थ्य पैदा कर सकें।

वर्तमान लोकसभा के प्रचार में विपक्षी दलों की ओर से जिस प्रकार की सक्रियता दिखाई जा रही है, उससे कमोवेश ऐसा ही लगता है कि विपक्ष ने इस चुनाव को आरपार की लड़ाई बना दिया है। यह सभी जानते हैं कि मुख्य विपक्ष की भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पार्टी लम्बे समय तक सत्ता का सुख भोगा है, इसलिए यह कहा जाना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस के नेताओं को सत्ता में बने रहने की आदत सी हो गई है। उनके बयानों में भी सत्ता प्राप्त करने की तड़प दिखाई देती है। यही तड़प चुनावी बयानों में पैनापन ला रही है।

देश में अब दो चरणों के मतदान संपन्न हो चुके हैं, बचे हुए पांच चरणों के मतदान के लिए जोर आजमाईश की जा रही है। चुनावी रैलियों में राजनेताओं के बयानों की व्याख्या निकालने का क्रम भी चल रहा है। किसी बड़े मुद्दे पर समाचार चैनलों पर बहस भी होती है। इन बहस में सभी नेता अपने हिसाब से अर्थ निकाल कर बहस करते हैं। कोई किसी के कम नहीं दिखता, लेकिन इन बहस में लगभग विवाद जैसी स्थिति बनती दिखाई देती है। एक दूसरे से लड़ने की मुद्रा में आने वाले यह राजनेता शायद इस बात को भूल जाते हैं कि इसे जनता भी देख रही है और आज की जनता यह भी जानती है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। इसके बाद भी आम समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो इन चर्चाओं को सुनकर भ्रमित भी होते होंगे। राजनेताओं द्वारा दावे के साथ कही जाने वाली किस बात को जनता सही माने, आज यह सबसे बड़ी चिंता है। चैनलों पर जो बहस होती है, उसमें अपनी पार्टी के विचार को कम रखा जाता है, सामने वाले की बात को जोरदार तरीके से नकारने की ही राजनीति की जाती है। विपक्षी नेताओं को इन्हीं बहसों के दौरान एंकरों पर दबाव बनाते हुए भी देखा और सुना जा सकता है। यह बहस का सारा खेल जनता को गुमराह करने वाला होता है। इसमें पूरी तरह से आम जन के मुद्दों का अभाव ही रहता है। इस कारण यह आसानी से कहा जा सकता है कि आज की राजनीति केवल विरोध करने तक ही सीमित हो गई है, इसमें रचनात्मक विरोध समाप्त होता जा रहा है। रचनात्मक विरोध का आशय यही है कि सामने वाले के अच्छे कार्यों का समर्थन भी किया जाए। लेकिन आज की राजनीति में ऐसा होना असंभव सा ही लगता है। ऐसा पिछले दस वर्षों में कुछ ज्यादा ही होता जा रहा है। जहां तक चुनावी मुद्दों की बात है तो विपक्ष की ओर से कोई ख़ास मुद्दे नहीं उठाए जा रहे हैं। जिस महंगाई और बेरोजगारी को विपक्ष मुद्दा बनाकर राजनीति कर रहा है, वह कोई नया नहीं है। यह दोनों ही मुद्दे लगभग हर चुनाव में उठे हैं, और हो सकता है आगे भी उठते रहेंगे, क्योंकि बेरोजगारी का मुद्दा तभी तक होता है ज़ब तक व्यक्ति केवल नौकरी की तलाश में बैठा रहता है। सरकार सबको नौकरी दे भी नहीं सकती, फिर चाहे कोई भी सरकार क्यों न हो। हाँ इस चुनाव में पिछली बार की तरह हिंदुत्व का मुद्दा भी सामने आया है। हिंदुत्व राजनीति का विषय नहीं हो सकता, यह तो असली भारत की आत्मा है।

यह बात सही है कि आज की राजनीति और दस वर्ष पहले की राजनीति में ज़मीन आसमान का अंतर है। भारतीय जनता पार्टी जिस प्रकार की राजनीति करती हुई दिखाई दे रही है, उसका अंदाज निराला है, वहीं कांग्रेस के नेताओं के बयानों से लगता है कि वे ही शासन करने के लिए आए हैं, जबकि उनको यह मालूम होना चाहिए कि वह विपक्षी की भूमिका में हैं। इसके अनुसार ही उनके कार्यक्रम होने चाहिए, लेकिन कभी कभी विपक्षी नेताओं का व्यवहार ऐसा होता है, जैसे वे सरकार से बड़े हैं। विपक्ष की इसे एक बड़ी कमजोरी माना जा सकता है, क्योंकि सामने वाली पार्टी ने सत्ता पर कब्ज़ा नहीं किया, बल्कि लोकतान्त्रिक तरीके से चुनकर आई है। विरोधी पक्ष को यह भी समझना चाहिए कि भारत में लोकतंत्र तभी तक जीवित है, ज़ब तक जनता की राय को महत्व दिया जाएगा। जनता के सही बात रखना चाहिए, ऐसी कोई बात नहीं आना चाहिए जिससे जनता भ्रमित हो। अन्यथा यह लोकतंत्र की भी हार होगी। (लेखक- सुरेश हिंदुस्तानी/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 7994

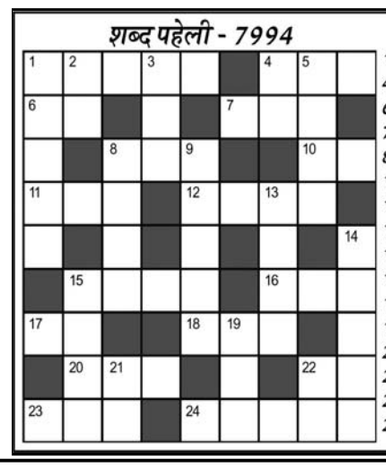

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व,अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद,लाख-2
7. पति,शौहर-3
8. जंगल,अरण्य-3
10. उत्साह,ललक-2
11. प्रलय,आफत-3
12. ईश्वर,रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा,कपट-2
18. दृष्टि,निगाह-3
20. स्वदेश,मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय,जीत-3
24. आत्मबलिदानी,साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा,क्षण-2
3. गिरावट,अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल,दुर्बल-4
8. असरदार,प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग,अनुरोध-5
15. बलवा,गदर-4
19. विष,गरल-3
21. अस्तर,स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -7993 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

21 मई को टी20 विश्वकप के लिए रवाना होगी भारतीय क्रिकेट टीम

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम इसी माह 21 मई को आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए अमेरिका जाएगी। टी20 विश्वकप का आयोजन संयुक्त रुप से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होगा। आईपीएल 2024 के ग्रुप स्तर के मुकाबले समाप्त होने के एक दिन बाद ही टीम इंडिया का पहला दल अमेरिका के लिए रवाना होगा। पहले दस्ते में केवल वो खिलाड़ी शामिल नहीं होंगे जिनकी टीमें आईपीएल प्लेऑफ में पहुंची हैं। इस दल में भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ सहित उनका पूरा सहयोगी स्टाफ भी शामिल रहेगा। वहीं दूसरा दल 26 मई को खेले जाने वाले आईपीएल फाइनल मैच के बाद रवाना होगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम इसके बाद न्यूयॉर्क जाएगी जहां उसे लीग के पहले तीन मुकाबले खेलने हैं। भारतीय टीम इंडिया 5 जून को आयरलैंड से, 9 जून को पाकिस्तान से और 12 जून को मेजबान अमेरिका से खेलेगी। टीम इंडिया का शुरुआती कैंप न्यूयॉर्क में लगेगा। आईसीसी ने नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय टीम के लिए अभ्यास की भी व्यवस्था की है। भारतीय टीम लगभग 6 ड्रॉप इन प्रैक्टिस पिचों पर अभ्यास करेगी।

वॉन बोले, टी20 विश्वकप सेमी फाइनल में भी नहीं पहुंचेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने अगले माह टी20 विश्वकप के लिए चयनित भारतीय टीम की आलोचना की है। वॉन ने कहा कि ये भारतीय टीम सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच पायेगी। वॉन ने भारतीय टीम को आईसीसी टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमों में शामिल नहीं करते हुए सोशल मीडिया पर उन चार टीमों के नाम भी दिये है जो उनके अनुसार सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। उनका मानना है कि इस बार टी20 विश्व कप में मेजबान वेस्टइंडीज के साथ ऑस्ट्रेलिया, मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीम अंतिम चार में पहुंचेगी। इस बार दस टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें खेल रही हैं जिनको 5-5 के 4 ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम को परंपरागत प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। इसके अलावा आयरलैंड, कनाडा और मेजबान अमेरिका को ग्रुप में जगह दी गई है।

विश्वकप के लिए इन खिलाड़ियों को बदकिस्मती से टीम में जगह नहीं मिली

मुम्बई (ईएमएस)। अगले माह जून में होने वाले टी20 में कुछ ऐसे खिलाड़ियों को भी जगह नहीं मिली है। जो भारतीय टीम में जगह पाने के अधिकारी थे। इनमें श्रेयस अय्यर , केएल राहुल , शुभमन गिल, रवि बिश्नोई, रिंकू सिंह और ईशान किशन शामिल हैं। इन सभी के पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है और इन्होंने कई बार अपने को साबित किया पर इसके बाद भी इनकी उपेक्षा से सभी हैरान हैं।

श्रेयस अय्यर : केकेआर के कप्तान श्रेयस हालांकि इस आईपीएल सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर पिछले सत्र के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है।

केएल राहुल : अनुभवी विकेटकीपर केएल राहुल का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ ही इस आईपीएल सत्र में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है। इसके बाद भी उन्हें विश्व कप टीम के रिजर्व खिलाड़ियों में भी जगह नहीं मिली है। भारतीय टीम इंडिया में ऋषभ पंत और संजू सैमसन के रूप में

सेबी ने म्यूचुअल फंड खातों के लिए नॉमिनी करना वैकल्पिक बनाया

मुंबई (ईएमएस)। सेबी ने कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त रूप से रखे जाने वाले म्यूचुअल फंड खातों के लिए किसी व्यक्ति को नॉमिनी करना वैकल्पिक बना दिया है। साथ ही सेबी ने 'फंड हाउस' को जिंस और विदेशी निवेश की निगरानी के लिए एक ही 'फंड मैनेजर' रखने की अनुमति दी है। इससे उसके प्रबंधन की लागत कम होगी।

सेबी का यह कदम उसके द्वारा गठित एक कार्य समूह द्वारा म्यूचुअल फंड विनियमों की समीक्षा करने और कारोबार को आसान बनाने के लिए उपायों की सिफारिश करने के बाद उठाए हैं। कार्य समूह की सिफारिश के आधार पर सार्वजनिक परामर्श किया गया, जिसमें संयुक्त म्यूचुअल फंड खातों में किसी को नामित करने को वैकल्पिक बनाने और 'फंड हाउस' को जिंस तथा विदेशी निवेशों की देखरेख के लिए एक ही फंड मैनेजर रखने की अनुमति देने का विकल्प सुझाया गया।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा, तदनुसार यह निर्णय लिया गया है कि संयुक्त म्यूचुअल फंड फोलियो में किसी को नामित करना वैकल्पिक होगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि संयुक्त धारकों के लिए किसी को नामित करने की आवश्यकताओं में छूट फायदेमंद होगी। इससे जीवित सदस्य नामित माना जाएगा जिससे नामांकन की प्रक्रिया सुगम बनेगी। नियामक ने सभी मौजूदा व्यक्तिगत म्यूचुअल फंड धारकों के लिए किसी व्यक्ति को नामित करने की आखिरी तारीख 30 जून 2024 तय की है। यदि वे इसका पालन करने में विफल रहते हैं, तब उनके खाते निकासी के लिए 'फ्रीज' कर दिए जाएंगे।

सेबी ने कहा कि जिंस आधारित कोष जैसे गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड), सिल्वर ईटीएफ और जिंस बाजार में भाग लेने वाले अन्य फंड के लिए समर्पित फंड मैनेजर की नियुक्ति वैकल्पिक होगी। साथ ही, विदेशी निवेश करने के लिए भी समर्पित फंड मैनेजर की नियुक्ति वैकल्पिक होगी।

सार्वजनिक निवेश ने भारत को दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मजबूत सार्वजनिक निवेश ने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा कि भारत और चीन के उच्च वृद्धि के अनुमानों के कारण इस क्षेत्र के वृद्धि अनुमान को बढ़ाया गया है। कोष ने 2024 में इस क्षेत्र का वृद्धि अनुमान 0.3 फीसदी बढ़ाकर 4.5 फीसदी कर दिया है जबकि इस क्षेत्र की 2023 में 5 फीसदी की ही बढ़ोरती हुई थी।

आईएमएफ के अनुसार एशिया और प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्ण श्रीनिवासन ने कहा कि भारत और चीन के लिए अनुमानों को बेहतर किया गया है। चीन में नीतियों से मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाने में घरेलू और सार्वजनिक निवेश का प्रमुख योगदान है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के प्रस्तावित अंतरिम बजट में पूंजीगत व्यय को 16.9 फीसदी बढ़ाकर रिकार्ड 11.11 लाख करोड़ रुपए कर दिया था। आईएमएफ ने अपने वैश्विक अर्थव्यवस्था के नजरिये (डब्ल्यूईओ) में भारत के 2024-25 के जीडीपी में बढ़ोतरी के अनुमान को 30 आधार अंक बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार कि भारत और फिलिपींस की जबरदस्त घरेलू मांग से हुई बढ़ोतरी ने आश्चर्यचकित किया है।

आईएमएफ ने भारत के जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को वित्त वर्ष 2024 के लिए बढ़ाकर 7.8 फीसदी कर दिया जबकि जनवरी की रिपोर्ट में अनुमान 6.7 फीसदी था। आईएमएफ का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में देश की आर्थिक वृद्धि का अनुमान गिरकर 6.5 फीसदी हो जाएगा और यह जनवरी के अनुमान के अनुरूप है। आईएमएफ को चीन के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि 2023 के 5.2 फीसदी से गिरकर 2024 में 4.6 फीसदी होने का अनुमान है।

यदि मोदी फिर पीएम बने तो पीएलआई स्कीम का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन होगा!

नई दिल्ली,(ईएमएस)। निवेशकों को लगता है कि लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद अगर पीएम नरेंद्र मोदी को तीसरा कार्यकाल मिलता है तो उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई स्कीम) योजना का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन हो सकता है। एक रिपोर्ट में कहा कि पीएलआई बेहतर ढंग से लागू होने पर भारत निर्यात का हब बनेगा, सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में वृद्धि होगी और सरकार संचालित उद्यमों का निजीकरण होगा।

देश में सात चरणों में आम चुनावों की शुरुआत 19 अप्रैल से हो चुकी है और अभी दो चरणों का मतदान हो चुका है। रिपोर्ट मे कहा गया है कि जनमत सर्वेक्षणों में आम सहमति से बीजेपी नेतृत्व वाला एनडीए के पूर्ण बहुमत के साथ वापस आने की उम्मीद जताई गई है। सरकार में बदलाव होने की स्थिति में 2004 की तरह अल्प अवधि में शेयर बाजार में गिरावट आ सकती है। हालांकि ऐसे में महत्त्वपूर्ण यह है कि मध्यम अवधि के लिए सरकार स्थिर रहे। फ्रांस के बैंकिंग समूह ने कहा कि 2018-19 के बाद निवेश चक्र में बदलाव जारी है जबकि इसमें महामारी यानी कोविड19 के दौरान 2020 और 2021 के दौरान बाधा आई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक यह मोदी सरकार की उपलब्धि है कि उसने पिछले चार साल में पूंजीगत व्यय को करीब 100 फीसदी बढ़ा दिया। आने वाले समय में सरकार को राजकोषीय घाटे को तीन फीसदी के दायरे के करीब रखने के लिए वृद्धि दर को कम करना पड़ सकता है। हालांकि आय वृद्धि की सतत मदद के लिए पूंजीगत व्यय की वृद्धि पर नजर रखनी होगी। पीएलआई योजना को शुरू किए जाने के तीन वर्ष बाद यह अनुदान लिए जाने में गिरावट आई है।

रिपोर्ट में सरकारी आंकड़े के अनुसार पीएलआई योजना से करीब 100 अरब डॉलर की बिक्री की है। यह बिक्री इस योजना की शुरुआत के अनुमान से करीब 20 फीसदी कम है। हालांकि ऐपल आईफोन के अच्छे निर्यात और टेस्ला से बातचीत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ उल्लेखनीय सफलताएं हैं। लिहाजा भारत में अधिक विदेशी कंपनियों के संचालन शुरू करने के साथ पीएलआई योजना के लक्ष्यों को वास्तविक रूप से हासिल करना देखने लायक होगा।

मंडियों में अरहर दाल के दाम बढ़ने से खुदरा बाजार में आया उछाल

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अरहर यानी तुअर दाल के भाव कम नहीं हो रहे हैं। इससे लोग काफी परेशान है। क्योंकि हमारे देश में अरहर दाल की खपत ज्यादा है। पिछले साल से अरहर की कीमतों में आई तेजी आज भी बनी हुई है। इस साल अरहर के थोक भाव 12,000 रुपए क्विंटल को पार कर चुके हैं। अप्रैल माह में भी मंडियों में अरहर के दाम बढ़े रहे। अरहर के थोक भाव बढ़ने से खुदरा बाजार में अरहर दाल की खुदरा कीमत 200 रुपये किलो पार कर चुकी है।

मंडियों में इस माह अरहर की कीमतों में तेजी देखने को मिली। महाराष्ट्र की प्रमुख मंडी अकोला में एक अप्रैल को अरहर के थोक भाव 10,700 से 10,850 रुपये थे, जो अब बढ़कर 12,000 से 12,200 रुपए क्विंटल तक पहुच गए हैं। मंडी में अरहर दाल के थोक भाव 14,400-15,400 रुपए से बढ़कर 16,100-17,300 रुपये क्विंटल हो गए हैं। दिल्ली की मंडी में अरहर दाल के थोक भाव 1,300 रुपए बढ़कर 16,500-16,600 रुपये क्विंटल हो चुके हैं।

मंडियों में अरहर की कीमतों में तेजी का असर खुदरा बाजार पर भी दिख रहा है। आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में अरहर दाल की औसत खुदरा कीमत इस माह 157 रुपए से बढ़कर 170 रुपए, महाराष्ट्र में 159.74 से बढ़कर 167.63 रुपए, मध्य प्रदेश में 150.46 से बढ़कर 157.02 रुपए और यूपी में 143.92 से बढ़कर 147.56 रुपए किलो हो गई है। देशभर में अरहर(तुआर) की औसत खुदरा कीमत इस माह 149.23 रुपए से बढ़कर 152.73 रुपए हो गई है और इसकी अधिकतम खुदरा कीमत 203 रुपए किलो है।

कमोडिटी विश्लेषकों के अनुसार सरकार की तमाम कोशिशों के बाद भी अरहर दाल के दाम बढ़ रहे हैं। अरहर की आपूर्ति कमजोर है क्योंकि अरहर का उत्पादन कम हुआ है। इसलिए अरहर दाल महंगी हुई है। एक और कमोडिटी विश्लेषक ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में अरहर दाल के आयात में करीब 10 फीसदी कमी आई है जिससे अरहर के दाम बढ़ रहे हैं। जानकारों के मुताबिक अरहर की आवक कम होने से भी इसकी कीमतों में तेजी को बल मिला है। पिछले साल की तुलना में इस अप्रैल माह में अरहर की आवक में करीब 18 फीसदी कमी है।

ज्यादा चेक फाड़ना पड़ेगा महंगा, अतिरिक्त लेन-देन पर देना होगा शुल्क

नई दिल्ली,(ईएमएस)। इस महीने से बैंकों ने सेवा शुल्क एवं अतिरिक्त सेवाओं पर लगने वाले चार्ज में बदलाव किया है। इससे मई के महीने में आम आदमी की जेब थोड़ी ढीली हो सकती है। क्योंकि, कुछ बैंक बचत खाता सेवाओं पर शुल्क में संशोधन करेंगे, जबकि अन्य ने क्रेडिट कार्ड के जरिए यूटिलिटी पेमेंट पर सेस लगाने का फैसला किया है। आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक ने कहा था कि वे 1 मई से सेविंग अकाउंट्स के लिए अपने शुल्कों में संशोधन करेंगे।

आईसीआईसीआई बैंक ने बचत खाता सर्विसेज के शुल्क में संशोधन किया है, जो 1 मई से प्रभावी है। इसमें डेबिट कार्ड पर प्रति वर्ष 200 रुपये तक की वार्षिक फीस शामिल है। हालांकि, ग्रामीण स्थानों के लिए यह चार्ज 99 रुपये प्रति वर्ष है। चेक बुक पर, एक वर्ष में 25 चेक लीफलेट के लिए शुल्क शून्य होगा और इससे अधिक पर, बैंक 4 रुपये प्रति लीफ चार्ज करेगा।

बैंक आईएमपीएस ट्रांसेक्शन के लिए ट्रांसफर अमाउंट के अनुसार प्रति लेनदेन 2.5 रुपये से 15 रुपये के बीच शुल्क लेगा।इसके अलावा, बैंक डिमांड ड्राफ्ट या पे ऑर्डर को रद्द करने, डुप्लिकेट या रिवेलिडेशन के लिए बैंक 100 रुपये चार्ज करेगा. बैंक साइन वेरिफिकेशन के लिए प्रति आवेदन या पत्र पर 100 रुपये और बैंक शाखा के माध्यम से किसी विशेष चेक के भुगतान को रोकने के लिए 100 रुपये (ग्राहक सेवा आईवीआर और नेट बैंकिंग के माध्यम से नि:शुल्क) शुल्क लेगा। यस बैंक ने 1 मई से प्रभावी बचत खाता सेवाओं पर शुल्क को संशोधित करने का ऐलान किया है। यस बैंक ने अलग-अलग तरह के सेविंग अकाउंट्स में मिनिमम एवरेज बैलेंस में परिवर्तन किया है। अब यस बैंक के प्रो मैक्स सेविंग अकाउंट्स के लिए मिनिमम एवरेज बैलेंस 50,000 रुपये हो गया है और मैक्सिमम चार्ज में बदलाव कर 1,000 रुपये कर दिया गया है।

सेबी ने एनआरआई, एमएफ के लिए नियमों में दी ढील, प्रवासियों की निवेश सीमा भी बढ़ाई

नई दिल्ली(ईएमएस)। सेबी ने कहा,'एफपीआई द्वारा सभी एनआरआई/ओसीआई के स्थायी खाता क्रमांक की प्रति जमा कराने के साथ ही एफपीआई में उनके आर्थिक हित की जानकारी देने की शर्त पर ही 100 फीसदी योगदान की अनुमति होगी।' बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि एनआरआई/ओसीआई के लिए उदार व्यवस्था से गिफ्ट सिटी में कोष पारिस्थितिकी को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही विदेश में बसे भारतीयों से वाजिब निवेश आकर्षित करने में भी मदद मिलेगी। किसी वैश्विक कोष में एनआरआई और ओआईसी की समेकित हिस्सेदारी 50 फीसदी से कम होती है जबकि अकेले एनआरआई या ओसीआई के लिए 50 फीसदी की सीमा तय की गई है। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रवासी भारतीयों को गिफ्ट सिटी में स्थित वैश्विक कोष में 100 फीसदी स्वामित्व की आज मंजूरी दे दी। इसके साथ ही पैसिव फंडों को समूह की कंपनियों में ज्यादा निवेश की भी अनुमति दी गई है। वर्तमान में प्रवासी भारतीयों और भारत के विदेशी नागरिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक में 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी नहीं रख सकते हैं। ज्यादा निवेश की अनुमति से घरेलू शेयरों में प्रवासी भारतीयों की ओर से अधिक निवेश आने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

वर्तमान में म्युचुअल फंड की योजनाएं समूह कंपनियों में अपनी शुद्ध संपत्ति मूल्य का 25 फीसदी से ज्यादा निवेश नहीं कर सकती हैं। हालांकि यह सीमा को कुछ शर्तों के साथ 35 फीसदी तक बढ़ा दी गई है। सेबी ने फंड हाउसों को डीलरों एवं फंड मैनेजरों द्वारा सभी बातचीत को रिकॉर्ड करने की आवश्यकता के मद्देनजर फ्रंट-रनिंग को रोकने के लिए एक संस्थागत ढांचा तैयार करने का भी निर्देश दिया है। बाजार नियामक परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी के प्रबंधन पर अधिक जिम्मेदारी एवं जवाबदेही डालते हुए फंड हाउस को व्हिसल ब्लोअर की व्यवस्था बनाए रखने के लिए बाध्य करेगा।

ग्राहकों से अतिरिक्त चार्ज वसूलने वाले बैंकों पर हो रही सख्ती

नई दिल्ली(ईएमएस)। आरबीआई उन बैंकों पर शिकंजा कस रहा है जो ग्राहकों से अतिरिक्त फीस वसूल रहे हैं। आरबीआई का मकसद ये है कि बैंक जिम्मेदारी से लोन दें और सही तरीकों का पालन करें। इससे बैंकों और लोन लेने वालों दोनों की सुरक्षा होती है। असल समस्या ये है कि आरबीआई को पता चला है कि कुछ बैंक ग्राहकों को लोन की रकम देने से पहले ही उनसे ब्याज वसूल रहे हैं। ये गलत है और इससे लोन लेने वालों का नुकसान होता है। इसलिए आरबीआई ने बैंकों और दूसरे लोन देने वालों (जिन्हें विनियमित संस्थाएं कहा जाता है) को ये निर्देश दिया है कि वो लोन देने के अपने तरीकों को रिव्यू करें। इसमें ये शामिल है कि वो पैसा कैसे देते हैं (चेक से या खाते में ट्रांसफर करके) और ब्याज और दूसरी फीस कैसे वसूलते हैं?

रिजर्व बैंक ने पाया है कि कुछ बैंक लोन देते समय ग्राहकों से अनुचित तरीके से ब्याज वसूल रहे थे। उदाहरण के लिए, लोन स्वीकृत होने के बाद या लोन की रकम का चेक देने में देरी होने पर भी ब्याज लगाया जा रहा था। मतलब आप उन पैसों पर ब्याज दे रहे थे जो आपको अभी तक मिले भी नहीं थे! इसी तरह, कुछ मामलों में पूरे महीने का ब्याज लिया गया, भले ही आपने लोन महीने के बीच में लिया या चुकाया हो। यहां तक कि अगर आपने लोन का कुछ हिस्सा पहले चुका दिया, तो भी पूरी रकम पर ब्याज लगाया जा रहा था। इन सब गलत प्रैक्टिस को रोकने के लिए आरबीआई ने सख्त कदम उठाए हैं। बैंकों को अब इन तरीकों का इस्तेमाल बंद करना होगा और अगर उन्होंने इससे पहले ऐसा किया है, तो ग्राहकों को अतिरिक्त वसूला गया ब्याज वापस करना होगा। यह कदम, मार्च 2024 में की गई जांच के बाद उठाया गया है। जहाँ ने पाया कि कई बैंक लोन संबंधी ब्याज वसूली में गलत प्रैक्टिस का इस्तेमाल कर रहे थे। आरबीआई का कहना है कि ये प्रैक्टिस ग्राहकों के साथ निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवहार के सिद्धांतों के खिलाफ हैं।

यूएई में फिर भारी बारिश का अलर्ट.....सरकार ने लोगों से की अपील

दुबई (ईएमएस)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) इस हफ्ते फिर से भारी बारिश का सामना कर सकता है। यह देखकर सऊदी सरकार ने लोगों से सावधानी बरतने और बेवजह घर से ना निकलने के लिए कहा गया है। अधिकारियों को उम्मीद है कि मौसम की स्थिति पिछले महीने की तरह गंभीर नहीं होगी लेकिन सुरक्षा संबंधी सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। नेशनल इमरजेंसी क्राइसिस और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनसीईएमए) ने बारिश के पुर्वानुमान को देखकर बैठक की है। बैठक में यूएई के आंतरिक मंत्रालय (एमओआई), राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएम) और दूसरे सरकारी विभागों के अफसर भी शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने, परेशानी को कम करने के लिए और व्यवसाय को कम से कम नुकसान हो, इस पर चर्चा की गई। एनसीएम ने बताया कि बीते महीने जिस तरह से भारी बारिश हुई, उस तरह से मौसम रहने की उम्मीद इस बार नहीं है। बुधवार रात से गुरुवार तक यूएई के कई इलाकों में मध्यम से भारी बारिश होगी। बारिश के साथ कुछ इलाकों में ओले गिरने और बिजली कड़कने की संभावना है। वहीं शुक्रवार और शनिवार को बादल छंटने और हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का अनुमान है। दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्रों में तेज बारिश हो सकती है। आंतरिक मंत्रालय ने बारिश के पूर्वानुमान पर कहा है कि आंतरिक सुरक्षा के लिए सर्वोच्च समिति, मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में काम कर रही है। टीम मौसम की स्थिति के विकास और अपडेट की लगातार निगरानी कर रही है ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके। मंत्रालय ने बताया है कि बारिश से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में सभी जरूरी उपाय किए हैं।

अमेरिका को पन्नू हत्या में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद,वाशिंगटन पोस्ट के आरपों को भारत ने किया खारिज

वाशिंगटन,(ईएमएस)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू मामले में अमेरिकी आरोप के बाद दोनों देशों के बीच सवाल-जवाब का दौर जारी है। वाशिंगटन पोस्ट के आरपों को भारत ने खारिज कर दिया इसके बाद अमेरिका ने इसपर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि उसे भारतीय सरकार से जवाबदेही की उम्मीद है।

अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा है कि गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश से संबंधित आरोपों की जांच में संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ नियमित रूप से काम कर रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के वेदांत पटेल की टिप्पणी वाशिंगटन पोस्ट द्वारा अज्ञात स्त्रोतों का हवाला देते हुए पिछले साल अमेरिकी में पन्नू को मारने की कथित साजिश के संबंध में रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के एक अधिकारी का नाम लेने के बाद आई है। भारत ने मंगलवार को वाशिंगटन पोस्ट के आरपों को दृढ़ता से खारिज कर दिया और कहा कि रिपोर्ट में एक गंभीर मामले पर अनुचित और निराधार आरोप लगाए गए हैं और मामले की जांच चल रही है।

लंदन में मेयर पद के लिए चुनाव आज, हिंदुस्तानी की टक्कर पाकिस्तानी से

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन के मेयर पद के लिए आने वाली 2 मई को चुनाव होना है। उम्मीदवारों में एक नाम तरुण गुलाटी का है, जो वर्तमान मेयर सादिक खान को चुनौती दे रहे हैं। खास बात ये है कि मेयर के रूप में दो कार्यकाल पूरा कर चुके सादिक खान जहां पाकिस्तानी मूल के हैं, वहीं तरुण गुलाटी का जन्म भारत में हुआ है। यानी इस बार हिन्दुस्तानी की टक्कर सीधे पाकिस्तानी से है लंदन मेयर पद के लिए मैदान में उतरे 13 उम्मीदवारों में गुलाटी एकमात्र भारतीय हैं। गुलाटी को यकीन है कि वे खान को चुनाव में शिखास्त दूंगा।

मूल रूप से दिल्ली के ग्रेटर कैलाश 2 के रहने वाले गुलाटी का मानना है कि वे इस पद के प्रतिस्पर्धा कर रहे 13 उम्मीदवारों में सबसे आगे हैं। गुलाटी ने उन सर्वे को खारिज कर दिया है, जिसमें फिर से सादिक खान की जीत की संभावना है। गुलाटी ने दावा किया है कि बहुत सीमित संख्या में लोगों को शामिल करके सर्वे किया गया है।

63 वर्षीय इनवेस्टमेंट बैंकर और बिजनेसमैन तरुण गुलाटी का जन्म दिल्ली में हुआ है। उन्होंने जयपुर यूनिवर्सिटी से पढ़ाई के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से एमबीए की डिग्री हासिल की है। वे एचएसबीसी बैंक के साथ जुड़े रहे हैं, जहां उन्होंने इंटरनेशनल मैनेजर के रूप में काम किया। 2006 में लंदन में स्थायी रूप से बसने के पहले वे एशिया प्रशांत, मध्य पूर्व, अफ्रीका में रह चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ब्रिटेन सहित छह देशों में काम किया। गुलाटी वर्तमान में लंदन स्थित कंपनी स्क्वॉयर्ड वॉटरमेलन लिमिटेड के अध्यक्ष और सीईओ हैं। इसके साथ ही वे लंदन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एशियन बिजनेस एसोसिएशन की सेवारत समिति के सबसे लंबे समय तक सदस्य और पूर्व उपाध्यक्ष भी हैं। गुलाटी का दावा है कि उन्हें मुसलमानों सहित एशियाई मतदाताओं का समर्थन हासिल है। वे खुद को गाजा के लिए सबसे मजबूत आवाज बताते हैं।

दो बच्चों के पिता गुलाटी अपनी जीत का दावा कर कहा हैं कि लोग चाहते हैं कि लंदन को चलाने वाला अलग व्यक्ति हो और वहां मैं हूं क्योंकि मैं राजनेता नहीं हूं। मैंने बड़े व्यवसाय चलाए हैं। मैं कई बोर्डों पर बैठ चुका हूं। मैं नया पैसा लाऊंगा। मैं पैसे को समझता हूं, जो दूसरों को नहीं पता। मेरे लिए लंदन एक वैश्विक बैंक की तरह है।

वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक उत्पादन को सीमित करने पर चर्चा ,प्लास्टिक प्रदूषण पर चल रही चौथे दौर की बातचीत खत्म

ओटावा,(ईएमएस)। प्लास्टिक का उपयोग रोकने के लिए भारत ही नहीं पूरा विश्व ही कोशिश कर रहा है इससे हमारी धरती के साथ-साथ मानव जाति को भी नुकसान पहुंच रहा है। दुनिया में प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करने के लिए कनाडा में पहली बार वैश्विक संधि के लिए संभावित मसौदे पर बातचीत हुई। हालांकि कई देश इस बात पर बंटे हुए थे कि क्या प्लास्टिक उत्पादन पर वैश्विक सीमा तय की जाए। इसके साथ प्लास्टिक प्रदूषण पर चल रही चौथे दौर की बातचीत भी खत्म हो गई।

पर्वेक्षकों ने इस बातचीत को स्वागत योग्य संकेत बताते हुए कहा है कि इस बात पर चर्चा हो रही है कि संधि में किन शब्दों को शामिल किया जाए। ओटावा,सत्र की समाप्ति पर समिति संधि पर काम जारी रखने पर सहमत हुई है। संधि पर आखिरी बैठक इस साल दक्षिण कोरिया में होगी। बातचीत में वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक के उत्पादन को सीमित करना सबसे अहम मुद्दे के तौर पर उभरा। प्लास्टिक का उत्पादन करने वाले देशों और कंपनियों के अलावा तेल और गैस का निर्यात करने वाले देशों ने इस पर आपत्ति की। दुनियामें सबसे ज्यादा प्लास्टिक जीवाश्म ईंधन और रसायन से बनाया जाता है।

इंटरनेशनल काउंसिल आफ केमिकल एसोसिएशन के प्रवक्ता हैरिस ने कहा कि समिति के सदस्य ऐसी संधि चाहते हैं जिसमें प्लास्टिक की रीसाइक्लिंग और रीयूज पर फोकस किया जाए। उन्होंने कहा कि वे नहीं चाहते हैं कि प्लास्टिक के उत्पादन को सीमित किया जाए और उनका कहना था इस समझोते के जरिये रसायन का नियमन नहीं किया जाना चाहिए।

बता दें कि प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने के लिए पहली बैठक 2022 में दिसंबर में उरुग्वे के पुंटा डेल एस्टे में हुई थी। इसके बाद बातचीत का दूसरा दौर 2023 में मई से जून के बीच पेरिस में रखा गया था। वहीं तीसरा सत्र नवंबर 2023 के बीच नैरोबी में आयोजित किया गया था। अब इसके बाद बैठक इस साल दक्षिण कोरिया में होगी।

आईपीएल में आज राजस्थान रॉयल्स से मुकाबला करेगी सनराइजर्स , शाम 7 : 30 से होगा मुकाबला

हैदराबाद (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल में गुरुवार को अपने घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगी। इस मैच में सनराइजर्स भले ही अपने घरेलू मैदान पर खेल रही हो लेकिन इस मैच में जीत के लिए कप्तान संजू सैमसन की राजस्थान को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इसका कारण ये है कि राजस्थान ने अबतक खेले गये 9 मुकाबलों में से 8 जीते हैं। ऐसे में वह 16 अंक लेकर शीर्ष पर है। इसके साथ ही उसके बल्लेबाज और गेंदबाज शानदार फर्म में हैं। वहीं दूसरी और इस सत्र की शुरुआत में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से धमाका करने वाली कप्तानी पैट कमिंस की सनराइजर्स बाद के मैचों में असफल रही है। । उसने अब तक पांच मैच जीते हैं जबकि चार में उसे हार का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रकार 10 अंक लेकर वह पांचवे नंबर पर है। पिछली कुछ हारों से उसका मनोबल भी गिरा है और टीम लक्ष्य का सामना करने में विफल रही है।

ऐसे में सनराइजर्स के लिये अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने इस मैच में जीतना जरुरी है। रॉयल्स ने पहले ही प्लेऑफ के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। सनराइजर्स के शीर्ष और मध्यक्रम के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए अब तक असफल रहे हैं यहां तक कि कोच डेनियल विटोरी ने भी माना है कि लक्ष्य का पीछा करते हुए अति आक्रामक खेलने की रणनीति से उसे हार मिली है।

सनराइजर्स ने इस सत्र में पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन बार 250 से अधिक स्कोर बनाया पर वह लक्ष्य का पीछा करते हुए 200 से अधिक का स्कोर एक बार भी हासिल नहीं कर पायी। मुख्य कोच विटोरी ने आरसीबी से मिली हार के बाद कहा था ,'' हम लक्ष्य देने में सफल रहे हैं पर अब हमें लक्ष्य का पीछा करना भी सीखना होगा।'' सनराइजर्स की टीम इस सत्र में अब तक बल्लेबाजी में ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा पर काफी निर्भर रही है। ऐसे में अगर ये रन नहीं बना पाते हैं तो टीम बिखर जाती है।

उसके अनुभवी बल्लेबाज एडेन माक्ररम भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं। वहीं रॉयल्स का अब तक का सफर जबरदस्त रहा है। पहले सत्र की विजेता टीम ने हर विरोधी टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है। उसके पास कप्तान संजू सैमसन के अलावा जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल और जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। इसके अलावा शिमरोन हेटमायेर और रोवमैन पॉवेल, रियान पराग और ध्रुव जुरेल ने भी काफी रन बनाये हैं। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास ट्रेंट बोल्ट जैसा तेज गेंदबाज व आवेश खान व संदीप शर्मा हैं जैसे युवा गेंदबाज है। स्पिन की कमान यजुवेन्द्र चहल संभालेंगे। चहल ने अब तक काफी अच्छी गेंदबाजी की है।

दूसरी ओर रॉयल्स की बल्लेबाजी अब तक अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिच क्लासेन और नीतिश रेड्डी व मयंक अग्रवाल पर आधारित रही है। उसके गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार , मार्को यानसेन और स्पिनर टी नटराजन अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं।

चीन में बारिश से धंसा हाईवे, 19 लोगों की मौत

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन के मीझोउ शहर में भारी बारिश से हाईवे का एक हिस्सा ढह जाने से उसमे कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। बचावकर्मियों ने 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस इलाके में पिछले कुछ कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन के गुआंग्डोंग प्रांत में मीझोउ शहर और डाबू काउंटी के बीच सड़क का एक हिस्सा देर रात करीब 2:10 बजे धंस गया। इस घटना के कारण 18 वाहन फंस गए और 31 लोगों को घटनास्थल से बचाया गया और अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उन्होंने एक तेज आवाज सुनी और उन्होंने देखा कि सड़क पर कई मीटर चौड़ा एक गड्ढा हो गया। इस हादसे के बाद रास्ते को बंद कर दिया गया है।

राफा पर इजरायली हमला असहनीय होगा, हजारों लोग मारे जाएंगे

-संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने हमले को रोकने इजराइल पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव बनाने की अपील की

संयुक्त राष्ट्र,(ईएमएस)। इजराइल-हमास में युद्धविराम की संभावना के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू राफा में सेना भेजने के अपने दृढ़ संकल्प पर अड़े हुए है। उधर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने उस क्षेत्र पर हमले को रोकने के लिए इजराइल पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव की अपील की है। राफा में 12 लाख से ज्यादा फिलिस्तीनी शरण लिए हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि मैं इजरायल पर प्रभाव रखने वाले सभी लोगों से राफा पर इजराइल हमले को रोकने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करने की अपील करता हूं। उन्होंने कहा कि राफा पर सैन्य हमला असहनीय है, जिसमें हजारों आम लोग मारे जाएंगे और हजारों लोगों को भागने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। वह क्षेत्र जहां 12 लाख से ज्यादा लोग अब राफा गवर्नरेट में शरण मांग रहे हैं, उनमें से अधिकांश इजरायली बमबारी के कारण भाग रहे हैं। अभी तक इजराइल-हमास युद्ध में 34,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं जिसकी पूरी दुनिया ने इजराइल की इस कार्रवाई का विरोध किया है।

इस बीच नेतन्याहू ने कहा कि हम राफा में घुसेंगे और जीत हासिल करने के लिए समझौते के साथ या उसके बिना, हमास की बटालियनों को खत्म कर करेंगे। यह बयान अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की इजरायल यात्रा से पहले आया। जहां उनसे राफा पर हमले के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के विरोध को बुलंद करने की उम्मीद है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने चेतावनी दी कि राफा में इजराइली घुसपैठ से कब्जे वाले वेस्ट बैंक और व्यापक क्षेत्र पर गंभीर असर होगा। अमेरिका और उसके सहयोगी इजरायल और हमास को एक समझौते पर लाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे युद्धविराम हो सके और अक्टूबर में इजरायल पर हमले में आतंकवादी संगठन द्वारा अपहरण किए गए कुछ बंधकों को रिहा किया जा सके। इसको लेकर बातचीत जारी है।

केन्या में भारी बारिश और बाढ़ से 169 लोगों की मौत, कई लापता

नैरोबी,(ईएमएस)। केन्या में भारी बारिश और विनाशकारी बाढ़ ने सैकड़ों लोगों की जान ले ली है और कई लापता हैं। भारी बारिश के कारण मुख्य सड़कें भी कट गईं। पूरे देश में व्यापार बाधित हुआ और स्कूल बंद कर दिए गए।

एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार के प्रवक्ता इसाक मवॉरा ने बताय कि पश्चिमी केन्या के माई माहिउ शहर में

गुजरात में पीएम मोदी ने कहा आरक्षण में कटौती कर मुस्लिमों को देना चाहती है कांग्रेस

बनासकांठा (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार से दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। पहले दिन वे शाम 4.30 बजे बनासकांठा के डीसा शहर पहुंचे, जहां विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आज कांग्रेस कहती है कि बीजेपी 400 सीटें इसलिए मांग रही है, जिससे कि आरक्षण खत्म कर सके। जबकि ही धर्म के आधार पर कांग्रेस ही एसटी, एससी, ओबीसी और पिछड़े वर्ग को मिले आरक्षण में कटौती कर मुस्लिमों को आरक्षण देना चाहती है।

पीएम ने कहा कि ये लोग कर्नाटक में यह प्रयोग कर चुके हैं। कर्नाटक में रातों-रात सभी मुस्लिमों को ओबीसी घोषित कर उन्हें 5 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। ये लोग ऐसा पूरे देश में करना चाहते हैं। जब तक बीजेपी है, जब तक मोदी है, एसटी एससी, ओबीसी और सामान्य वर्ग के लोगों को जो आरक्षण मिला है, वह कोई नहीं छीन सकता। पीएम ने आगे कहा कि मैं शहजादे और उनके गाजे-बाजे की जमात को चुनौती देता हूं कि अगर उनमें हिम्मत है तो वे कभी भी धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देंगे। ऐसी घोषणा सभी के सामने आकर कर दें।

मुहब्बत की दुकान में बने रहे फेक वीडियो

फेक वीडियो को लेकर उन्होंने कहा, पहले चरण में इंडी गठबंधन पस्त हुआ और दूसरे चरण में धव्स्त हो गया। ये लोग मुहब्बत की दुकान चलाने निकले थे। लेकिन दुकान में फेक वीडियो बनाने का काम शुरु कर दिया। इन लोगों ने इतने साल देश पर राज किया। इनके इतने सारे प्रधानमंत्री रहे। फिर भी आज इनकी लोगों को सामने जाने की हिम्मत नहीं है। इसीलिए अब ये फेक वीडियो बना रहे हैं।

महिला पुलिसकर्मी स्युसाइड केस में कांस्टेबल गिरफ्तार, शादी की लालच देकर यौन शोषण का आरोप

सूरत (ईएमएस) सिंगणपोर थाने की महिला पुलिसकर्मी के आत्महत्या केस में पुलिस ने साइबर क्राइम थाने में कार्यरत कांस्टेबल को घटना के करीब डेढ महीने के बाद गिरफ्तार कर लिया हैं आरोप है कि गिरफ्तार कांस्टेबल ने महिला पुलिसकर्मी को शादी की लालच देकर उसके साथ अनेकों बार जबरन शारीरिक संबंध बनाएं महिला पुलिसकर्मी ने जब शादी की बात की तो कांस्टेबल इंकार कर दिया जिसके बाद महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली आत्महत्या से पहले महिला पुलिसकर्मी ने स्युसाइड नोट लिखा था, जिसके आधार उसकी माता ने कांस्टेबल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी जानकारी के मुताबिक सूरत के सिंगणपोर पुलिस थाने की 25 वर्षीय महिला पुलिसकर्मी हर्षना महेन्द्रभाई चौधरी ने गत 18 मार्च 2024 को क्षेत्र की महर्षि स्कूल के निकट महेश्वरी पैलेस स्थित अपने घर में दुपट्टे से फांसी लगाकर स्युसाइड कर लिया था आत्महत्या से पहले हर्षना ने अपनी माता को उदबोधित करते हुए एक स्युसाइड नोट केवल इतना लिखा था कि जिस व्यक्ति पर भरोसा किया उसने ही विश्वासघात किया स्युसाइड नोट के आधार पर हर्षना की माता ने पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवा दी जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की, जिसमें साइबर क्राइम पुलिस थाने में कार्यरत प्रशांत सीताराम भोय के खिलाफ सबूत मिले जांच में खुलासा हुआ कि प्रशांत भोय जब मौका मिला तब हर्षना चौधरी को शादी की लालच देकर उसे घुमाना ले जाता और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाता था तीन साल के दौरान हर्षना को प्रशांत अपने गांव स्थित परिवार के सदस्यों से भी मिलाने ले गया था और कहा था कि वह उसके साथ शादी करने वाला हैं प्रशांत शादी की लालच देकर हर्षना का यौन शोषण करता रहा और एक दिन उसने कहा कि वह अन्य किसी युवती के साथ सगाई करने जा रहा हैं जो हर्षना बर्दाश्त नहीं कर पाई और उसने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली सिंगणपोर पुलिस ने दुष्कर्म का केस दर्ज कर करीब डेढ महीने बाद आखिर प्रशांत सीताराम भोय को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं

ई-बाइक बनाने वाली कंपनी में लगी भीषण आग, 5 घंटों की मशक्कत के बाद काबू पाया

वडोदरा (ईएमएस) शहर के आजवा रोड स्थित जॉय ई-बाइक बनाने वाली कंपनी में देर रात भीषण आग लग गई घटना की खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाडियां मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने की कोशिशें तेज कर दी करीब 5 घंटों की मशक्कत के बाद दमकल के जवानों को आग पर काबू पाने में सफलता मिली जानकारी के मुताबिक वडोदरा के आजवा- सिग्मा कॉलेज रोड जॉय ई-बाइक बनानेवाली कंपनी हैं कंपनी में मंगलवार की देर रात अचानक आग भड़क उठी कंपनी में बड़े पैमाने पर बैटरी और प्लास्टिक मटिरियल का स्टॉक होने की वजह से आग ने देखते ही देखते विकराल स्वरूप धारण कर लिया आग की सूचना मिलते ही वडोदरा के पाणीगेट, दांडिया बाजार, ईआरसी, जीआईडीसी और छाणी समेत फायर स्टेशनों की 5 से ज्यादा गाडियां घटनास्थल पहुंच गई फायर विभाग के जवानों ने करीब 5 घंटों की मशक्कत के बाद आज सुबह आग पर काबू पाया हांलाकि कंपनी में आग लगने के कारणों का पता नहीं चला

सबसे ज्यादा वोटिंग करने वाले गांव को मिलेंगे 25 लाख

बनासकांठा (ईएमएस) निर्वाचन आयोग और सरकार समेत विभिन्न संस्थाएं ज्यादा से ज्यादा मतदान के लिए खास अभियान चलाती हैं इस अभियान में अब गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी भी शामिल हो गए हैं शंकर चौधरी ने ज्यादा से ज्यादा मतदान के उद्देश्य से बनासकांठा जिले के 11 गांवों के बीच स्पर्धा का ऐलान किया हैं स्पर्धा में जीतने वाले गांव को लाखों रुपए का ईनाम मिलेगा शंकर चौधरी ने ऐलान किया है कि सबसे अधिक मतदान करने में 1 से 7 नंबर तक आनेवाले गांवों को पुरस्कार दिया जाएगा इसके अंतर्गत सबसे अधिक वोटिंग कर पहला स्थान हासिल करने वाले गांव को रु. 25 लाख और दूसरे विजेता गांव को रु. 20 लाख का ईनाम दिया जाएगा पुरस्कार में मिलने वाली रकम को गांव के सामूहिक विकास कार्यों पर खर्च किया जाएगा

कांग्रेस ने कोरोनाकाल में लगाई गई कोविशील्ड वैक्सीन को लेकर सरकार से किए गंभीर सवाल

अहमदाबाद (ईएमएस) कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने गुजरात की स्थापना दिवस के मौके पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देने के साथ ही कोरोना से बचाने के लिए लोगों को लगाई गई कोविशील्ड वैक्सीन को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश की गोहिल ने कहा कि जब कोरोना वायरस आया तो सभी चिंतित थे वैक्सीन की खोज के लिए होड लगी थी। उस समय वैक्सीन के साइड इफेक्ट देखने का समय नहीं था, इसलिए वैक्सीन लगाना शुरू किया गया उस वक्त विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा था कि हर देश को वैक्सीन के साइड इफेक्ट को लेकर सावधान रहना चाहिए और अपनी रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए डब्ल्यूएचओ के कहने के बाद किसे टीके लगाए गए? उनके स्वास्थ्य मानक क्या थे? क्यों थे? यह जानकारी इकट्ठा करना थी शक्ति सिंह ने आरोप लगाया कि कई देशों ने डब्ल्यूएचओ के मानकों के मुताबिक ये जानकारी जुटाई हैं लेकिन अपना ही देश ऐसा था जिसने वैक्सीन किसे दी? इसकी कोई जानकारी एकत्र नहीं की हैं हार्ट अटैक, किडनी फेलियर समेत अन्य मुद्दों पर डब्ल्यूएचओ द्वारा दिशा-निर्देश दिये गये बावजूद इसके कोई डेटा एकत्र नहीं किया गया। शक्तिसिंह गोहिल ने सवाल किया कि जब दुनिया की चिंता करते हुए डब्ल्यूएचओ ने डेटा एकत्र करने को दिशा-निर्देश दिया तो तो उसका पालन क्यों नहीं किया? गुजरात में लोग मर रहे हैं तो उसे गंभीरता से क्यों नहीं लिया सितंबर 2023 में डब्ल्यूएचओ की एडवाइजरी के बाद भी डेटा क्यों नहीं इकट्ठा किया गया?

मतदान करें और नई गाडी पर रु. 4250 की छूट पाएं, पुराने ग्राहकों को मिलेगी मुफ्त सर्विस

दाहोद (ईएमएस) देश में लोकसभा चुनाव के दो चरण पूर्ण हो चुके हैं और तीसरे चरण का चुनाव 7 मई को होना हैं शुरुआती दो चरणों में कम मतदान चिंता का विषय हैं 7 मई को गुजरात में मतदाता अपने पसंदीदा उम्मीदवार के लिए मतदान करेंगे गुजरात में ज्यादा से ज्यादा से मतदान के लिए निर्वाचन आयोग और सरकार समेत विभिन्न संस्थाओं विशेष अभियान चला रही हैं मतदाताओं को वोटिंग के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दाहोद के होन्डा टू व्हीलर के एक डीलर ने स्पेशल ऑफर का ऐलान किया हैं इसके अंतर्गत मतदान करने का निशान बताने पर ग्राहक को नई गाड़ी में रु. 4250 की छूट मिलेगी अर्थात टू व्हीलर की एसेसरिज मुफ्त मिलेगी जबकि मतदान कर आनेवाले पुराने ग्राहकों को फ्री सर्विस का लाभ मिलेगा लोकतंत्र के महापर्व में प्रत्येक मतदाता शामिल हों और अपना कीमती वोट दें, इसके लिए प्रशासन द्वाराअनेक कार्यक्रम के जरिए मतदान जागृति अभियान चलाकर लोगों से मतदान की अपील की जा रही हैं अब मतदानजागृति अभियान में दाहोद के व्यापारी भी शामिल हो गए हैं दाहोद केपुराने इंदौर रोड स्थित होन्टा टू व्हीलर के डीलर राहुल तलाटी ने मतदाताओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें जागृत करने के लिए रु. 4250 कीमत की एसेसरिज मुफ्त देने की घोषणा की हैं वहीं पुराने ग्राहकों को मुफ्त सर्विस मिलेगी

हाईटेक अपार्टमेंट में हुई ९ लाख की चोशी की गुत्थी सुलझी

सूरत, १ मई।

मोबाइल का जुनून बच्चों को किस हद तक ले जा सकता है इसका एक और चौंकाने वाला मामला सूरत में सामने आया है। एक बच्चे ने गेम खेलने और उसमें सीआईडी जैसा सीरियल देखने के लिए सूरत के डुमस शेड पर वाई जंक्शन के पास वास्तु लक्सुरिया जैसी अल्ट्रा हाईटेक बिल्डिंग के एक बंद फ्लैट को निशाना बनाया। फ्लैट से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी समेत कुल ८.९४ लाख रुपये की चोशी हुई। डीसीपी विजय सिंह गुर्जर ने बताया कि डम्सशेड पर वाई जंक्शन के पास वास्तु लग्जरी में रहने वाली प्रियंका धर्मेशभाई कोठारी कल रविवार दोपहर १ बजे से शत ८ बजे के बीच अपने परिवार के साथ बाहर गई थीं। इसी बीच तस्कर ने उनके फ्लैट को निशाना बना लिया।

दोपहर १:०० बजे से शत ८:३० बजे के बीच फ्लैट की पहली मंजिल पर बेडरूम के अटैच्ड बाथरूम की खिड़की का शीशा तोड़कर फ्लैट में घुसे चोर ने प्रियंका के बेडरूम की दराज में रखे सोने के कंगन, सोने की चेन सहित सोने के आभूषण चुरा लिए।, सोने की हीरे की अंगूठी और ००० रुपए नकद कुल ८.९४ लाख रुपए चुराकर फरार हो गए। डीसीपी ने आगे बताया कि जिस फ्लैट में चोर घुसा था उस फ्लैट के बाथरूम का ज्यादा इस्तेमाल नहीं किया जा रहा था। तो, धूल में पैरों के निशान थे। इसके आधार पर एफएसएल की मदद से तीसरी मंजिल पर रहने वाले परिवार को वहां काम करने वाले व्यक्ति के गांव का एक नाबालिग बच्चा मिला। उसके पास उसके पैरों के निशान मिले।

जब हमने उससे पूछताछ की तो उसने तीसरी बार कबूल किया कि उसने चोरी की है। वह पीछे से पाइप के सहारे नीचे पहली मंजिल पर पहुंचा। वह बाथरूम के रास्ते फ्लैट में घुसा और चोरी कर ली। चोरी का सामान भी उसने अपने तीसरी मंजिल के फ्लैट के बाथरूम में छिपा दिया था। बच्चे ने यह भी कबूल किया कि उसे मोबाइल फोन खरीदना था। उसे मोबाइल पर गेम खेलने और उसमें सीआईडी ??सीरियल देखने का शौक था। इसी जुनून ने उसे चोरी करने के लिए प्रेरित किया।

बजाज आलियांज़ लाइफने अपने भागीदारी वाले उत्पादों के लिए की अब तक के उच्चतम बोनस की घोषणा

भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज लाइफ ने लगातार 23वें साल बोनस की घोषणा की है! यह उन 11.66 लाख से अधिक पॉलिसीधारकों के लिए है जिन्होंने कंपनी के भागीदारी(भागीदारी)वाले उत्पादों में निवेश किया है। कंपनीनेवित्त वर्ष 2024 के लिए 1,383 करोड़ रुपये के बोनस की घोषणा की है जो कंपनी के इतिहास में अब तक का उच्चतम बोनस है।

पारंपरिक भागीदारी (लाभ के साथ) वाली पॉलिसी के पॉलिसीधारक इस बोनस के पात्र हैं, जिसकी घोषणा भागीदारी वाले (लाभ के साथ) फंड के तहत पैदा अधिशेष (सरप्लस)केआधार पर की जाती है। 31 मार्च, 2024 तक लागू भागीदारीवाली पॉलिसी सभी इस बोनस को प्राप्त करने योग्य हैं। बजाज आलियांज़ लाइफ फ्लेक्सी इनकम गोल, बजाज आलियांज़ इलीट एश्योर, बजाज आलियांज़ लाइफ एस जैसे भागीदारीवाले उत्पादों के पॉलिसीधारक घोषित बोनस से लाभान्वित होंगे। वित्तवर्ष 2024 का बोनस वित्तवर्ष2023के बोनस से 15% अधिक है। वित्त वर्ष 2023 में यह 1,201 करोड़ रुपये था।

बजाज आलियांज़ लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी, श्री तरुण चुघने कहा, ठहमें अपने दो दशक से अधिक के इतिहास में अबतक के सबसे उच्चतम स्तर के बोनस की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।यह हर तरह से अपने ग्राहकों के दीर्घकालिक जीवन लक्ष्यों को सक्षम करने पर हमारे फोकस का प्रतिबिंब है। हमारी निवेश रणनीति यां हमारे बेहतरीन मूल्यवाले उत्पादों का समर्थन करती हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई हैं कि हम अपने ग्राहकों को हर साल उनके जीवन लक्ष्यों के करीब लाते जाएं। इस बोनस की घोषणा उस दिशा में एक आवश्यक कदम है। हम अपने ग्राहकों के जीवन लक्ष्यों के लिए अथक प्रयास करना जारी रखेंगे और ऐसी घोषणा ओं के माध्यम से हम कंपनी पर उनके भरोसे का सम्मान करते रहेंगे।''

कांग्रेस को एक और बड़ा झटका

बिनहरीफ घोषित सूरत सीट की याचिका हाई कोर्ट ने खारिज कर दी

सूरत, १ मई।

गुजरात कांग्रेस को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सूरत से बीजेपी उम्मीदवार मुकेश दलाल की निर्विशेध जीत को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी गई है। हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। साथ ही इस विवाद को लेकर चुनाव याचिका भी दायर की गई है। याचिका में मतदाताओं को वोट देने से वंचित किये जाने का मुद्दा उठाया गया था। खास बात यह है कि सूरत से कांग्रेस उम्मीदवार कुंभाणी का फॉर्म समर्थकों के बेमेल हस्ताक्षर और रहस्यमय तरीके से गायब होने के कारण रद्द कर दिया गया था। जिसके बाद अन्य उम्मीदवारों ने भी अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली और बीजेपी के मुकेश दलाल को निर्विशेध विजेता घोषित कर दिया गया। जिसके बाद कोर्ट में अर्जी दी गई। जिसे कोर्ट ने साफ तौर पर खारिज कर दिया है।

हाईकोर्ट ने सूरत से भाजपा प्रत्याशी को निर्विशेध घोषित करने संबंधी जनहित याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। सूरत के एक याचिकाकर्ता भावेश पटेल ने एक जनहित याचिका में दावा किया कि सूरत में मतदाताओं को नकारात्मक वोट का विकल्प नहीं दिया गया था। मतदाता नोटा अधिकारी से वंचित हैं। इस वजह से याचिकाकर्ता ने बीजेपी उम्मीदवार को चुनाव न लड़ाने के फैसले को रद्द करने की मांग की थी।

हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल की पीठ ने भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विशेध घोषित करने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से साफ इनकार कर दिया। इस संबंध में हाईकोर्ट ने कहा कि निर्विशेध घोषित उम्मीदवार को भी मतगणना प्रक्रिया के माध्यम से निर्वाचित उम्मीदवार के समान ही माना जाना चाहिए। यह आवेदन जनहित आवेदन नियमों के अंतर्गत नहीं आता है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को इसके लिए चुनाव याचिका दाखिल करने को कहा। इसे जनहित याचिका के रूप में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

पिछले हफ्ते कांग्रेस ने नीलेश कुंभानी को छह साल के लिए निलंबित कर दिया था। कांग्रेस अनुशासन समिति ने लंबी चर्चा के बाद यह फैसला लिया है। अनुशासन समिति ने कहा कि नीलेश कुम्भानी ने पर्याप्त समय दिये जाने के बावजूद कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। समिति ने कहा कि नीलेश कुंभानी का फॉर्म रद्द होना पूरी तरह से भाग्य की घटना है। निलेश कुंभानी ने फॉर्म रद्द करने को लेकर पूरी उदासीनता दिखाई है। भारतीयजनतापार्टी से उनकी नजदीठ कियां जगजाहिर थीं। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के अनुसार स्पष्टीकरण के लिए समय दिए जाने के बावजूद नीलेश कुम्भानी गायब हो गए।

पुलिस को देख आरोपी एक करोड़ की कीमत का ड्रग्स पर फेंककर भाग गए

सूरत, १ मई।

क्राइम न्यूज़ चेतन पटेल/सूरत: सूरत शहर पुलिस ने ड्रग्स और नशीले पदार्थ बेचने वाले अपराधियों के खिलाफ अपनी आंखें टेढ़ी कर ली हैं। फिर एसओजी को एक करोड़ रुपए का मादक पदार्थ पकड़ने में बड़ी सफलता मिली है। लेकिन आरोपी पुलिस की पकड़ में नहीं आ रहे हैं। लेकिन स्ह ने १ किलो ड्रग्स जब्त करने में सफलता हासिल की है। साथ ही पुलिस ने एक मोपेड और एक बाइक भी जब्त की है। लेकिन दोनों आरोपी सप्लायर काशिफ और रिसीवर सहबाज खान पुलिस को चकमा देकर भाग निकले। इसके अलावा, ड्रग्स की मात्रा की आपूर्ति करने वाले मोहम्मद काशिफ और खरीददार शहबाज खान को वांछित घोषित किया गया है। सूरत सिटी पुलिस की ओर से 'नो ड्रग्स इन सूरत' अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सूरत पुलिस ड्रग्स और नशीले पदार्थ बेचने वालों पर कड़ी नजर रख रही है। उस समय स्ह को जानकारी मिली कि सूरत के लाल गेट लालमिया मस्जिद के पास दो ढ्ढरूह्र ड्रग्स का कारोबार कर रहे हैं। सूचना के आधार पर एसओजी ने घटना स्थल पर नजर रखी। इसी बीच आरोपी मोहम्मद कासिफ उर्फ ??पशिना शेख अपनी मोपेड पर १ किलो वजनी प्रतिबंधित एमडी ड्रग च लेकर निकल गया। एक करोड़ रुपये की ये ड्रग्स वह आरोपी शहबाज खान को देने जा रहा था। उस वक्तपुलिस को देखकर इस कासिफ ने एक करोड़ रुपये की कीमत की ड्रग्स सड़क पर फेंक दी और फिर खुद भी भाग गया। तब पुलिस ने एक मोपेड और एक बाइक के साथ १ करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स जब्त की और ड्रग्स की मात्रा की आपूर्ति करने वाले मोहम्मद काशिफ उर्फ पशीना शेख और ड्रग्स की मात्रा का ऑर्डर देने वाले शहबाज खान को वांछित घोषित किया गया। पुलिस ने १,०२,३०,००० रुपये की नकदी जब्त कर ली है और आगे की जांच जारी है।

पुलिस को देखते ही ड्रग सप्लायर और ड्रग लेने आए लोग अपनी कारें छोड़कर भाग गए और पुलिस ने फिल्म में आरोपियों को पकड़ने की कोशिश भी की। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने करीब एक किलोमीटर तक इन ड्रग माफियाओं का पीछा किया। लेकिन दोनों पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहे।

सवाल यह है कि पीसीबी पुलिस और एसओजी पुलिस की इतनी बड़ी फौज के बावजूद आरोपी के भागने पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

हार्ट अटैक से कैदी समेत दो लोगों की सांसें थमी

राजकोट (ईएमएस) शहर की जेल में बंद एक कैदी समेत दो लोगों की मौत हो गई प्राथमिक जांच में दोनों युवकों की मौत हार्ट अटैक की वजह से होने का खुलासा हुआ हैं जानकारी के मुताबिक राजकोट के पोपटपरा स्थित केन्द्रीय कारागार में दुष्कर्म के मामले में 10 साल की सजा काट रहे 37 वर्षीय भावेश पांचाभाई सांबड सुबह के वक्त अचानक बेहोश हो गया बिहोशी की हालत में उसे राजकोट के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया हार्ट अटैक के कारण भावेश सांबड की मौत की आशंका हैं

फिटजी के लोंग टर्म क्लासरूम प्रोग्राम के छात्रों ने जेईई मेन 2024 में ऑल इंडिया रैंक 3, 13 और 16 के साथ हासिल की शानदार सफलता

फिटजी की ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज़ को जेईई में अविश्वसनीय ऑल इंडिया रैंक हासिल करने के लिए जाना जाता है और इस बार भी इसने ऐसा ही कुछ कर दिखाया है। फिटजी ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज़ के एक छात्र गजारे नीलकृष्णा निर्मलकुमार ने जेईई मेन 2024 में एआईआर 1 और 300/300 का परफेक्ट एनटीए स्कोर हासिल किया है।

यह वास्तव में फिटजी के लिए गर्व का समय है। हम अपने छात्रों के परफोर्मेन्स को लेकर उत्सुक हैं तथा छात्रों, उनके अभिभावकों एवं फिटजी के फैकल्टी और स्टाफ को बधाई देते हैं। यह उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का ही परिणाम है। हमारे देश में सैकण्डरी एजुकेशन छात्रों के एनालिटिकल स्किल्स को बेहतर बनाने में सक्षम नहीं है, यही कारण है कि स्कूल में अच्छा परफोर्मेन्स देने वाले छात्र अक्सर प्रतियोगी परीक्षा में पिछड़ जाते हैं। इसलिए छात्रों में एनालिटिकल क्षमता को विकसित करना ज़रूरी है, फिटजी कुछ ऐसा ही करता है। हम छात्रों की अवधारणात्मक सूझ-बूझ पर ध्यान केन्द्रित करते हैं और उनके आईक्यू एवं एनालिटिक कौशल तथा समस्याओं के समाधान की क्षमता में सक्षम बनाते हैं। जेईई में फिटजी के छात्रों की सफलता उनके पढ़ाने के तरीकों की प्रभाविता की पुष्टि करती हैं अब जेईई अडवान्स्ड अगली उपलब्धि है और हम अपने छात्रों को जेईई अडवान्स्ड में सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हैं।'' आर एल त्रिखा, डायरेक्टर, फिटजी ग्रुप ने कहा।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा मजदूर दिवस पर मेधावी कर्मचारियों का सम्मान

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर 01 मई 2024 को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद द्वारा मण्डल कार्यालय में ''मजदूर दिवस'' के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती संगीता शर्मा द्वारा मण्डल के सेफ़्टी कटेगरी के 17 मेधावी कर्मचारियों को मोमेंटों भेंट कर सम्मानित किया गया।

श्रीमती शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मंडल पर हमारे कर्मचारी कड़ी मेहनत करते हैं, बड़ी निष्ठा एवं लगन से अपना कर्तव्य निभाते हैं। इसी के परिणाम स्वरूप हमारा मंडल पश्चिम रेलवे पर अव्वल है तथा प्रगति के पथ पर अग्रसर है इसी भावना के साथ महिला समिति द्वारा मंडल के कर्मठ कर्मचारियों के महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित करते हुए हमें प्रसन्नता हो रही है। प्रत्येक स्तर पर कार्यरत कर्मचारी महत्वपूर्ण है। सभी सम्मानित कर्मचारियों को बधाई दी और उनकी कड़ी मेहनत की तहे दिल से सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने सभी को अपना अच्छा काम जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद द्वारा हर साल इस प्रकार का कार्यक्रम कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित किया जाता हैं। इस अवसर पर महिला कल्याण संगठन की सभी सदस्याएं उपस्थित रही।

बजाज आलियांज़ लाइफने अपने भागीदारीवाले उत्पादों के लिए की अब तक के उच्चतम बोनस की घोषणा

भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज लाइफ ने लगातार 23वें साल बोनस की घोषणा की है! यह उन 11.66 लाख से अधिक पॉलिसीधारकों के लिए है जिन्होंने कंपनी के भागीदारी(भागीदारी)वाले उत्पादों में निवेश किया है। कंपनीनेवित्त वर्ष 2024 के लिए 1,383 करोड़ रुपये के बोनस की घोषणा की है जो कंपनी के इतिहास में अब तक का उच्चतम बोनस है।

पारंपरिक भागीदारी (लाभ के साथ) वाली पॉलिसी के पॉलिसीधारक इस बोनस के पात्र हैं, जिसकी घोषणा भागीदारी वाले (लाभ के साथ) फंड के तहत पैदा अधिशेष (सरप्लस)केआधार पर की जाती है। 31 मार्च, 2024 तक लागू भागीदारीवाली पॉलिसी सभी इस बोनस को प्राप्त करने योग्य हैं। बजाज आलियांज़ लाइफ फ्लेक्सी इनकम गोल, बजाज आलियांज़ इलीट एश्योर, बजाज आलियांज़ लाइफ एस जैसे भागीदारीवाले उत्पादों के पॉलिसीधारक घोषित बोनस से लाभान्वित होंगे। वित्तवर्ष 2024 का बोनस वित्तवर्ष2023के बोनस से 15% अधिक है। वित्त वर्ष 2023 में यह 1,201 करोड़ रुपये था।

बजाज आलियांज़ लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी, श्री तरुण चुघने कहा, ठहमें अपने दो दशक से अधिक के इतिहास में अबतक के सबसे उच्चतम स्तर के बोनस की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।यह हर तरह से अपने ग्राहकों के दीर्घकालिक जीवन लक्ष्यों को सक्षम करने पर हमारे फोकस का प्रतिबिंब है। हमारी निवेश रणनीति यां हमारे बेहतरीन मूल्यवाले उत्पादों का समर्थन करती हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई हैं कि हम अपने ग्राहकों को हर साल उनके जीवन लक्ष्यों के करीब लाते जाएं। इस बोनस की घोषणा उस दिशा में एक आवश्यक कदम है। हम अपने ग्राहकों के जीवन लक्ष्यों के लिए अथक प्रयास करना जारी रखेंगे और ऐसी घोषणा ओं के माध्यम से हम कंपनी पर उनके भरोसे का सम्मान करते रहेंगे।''

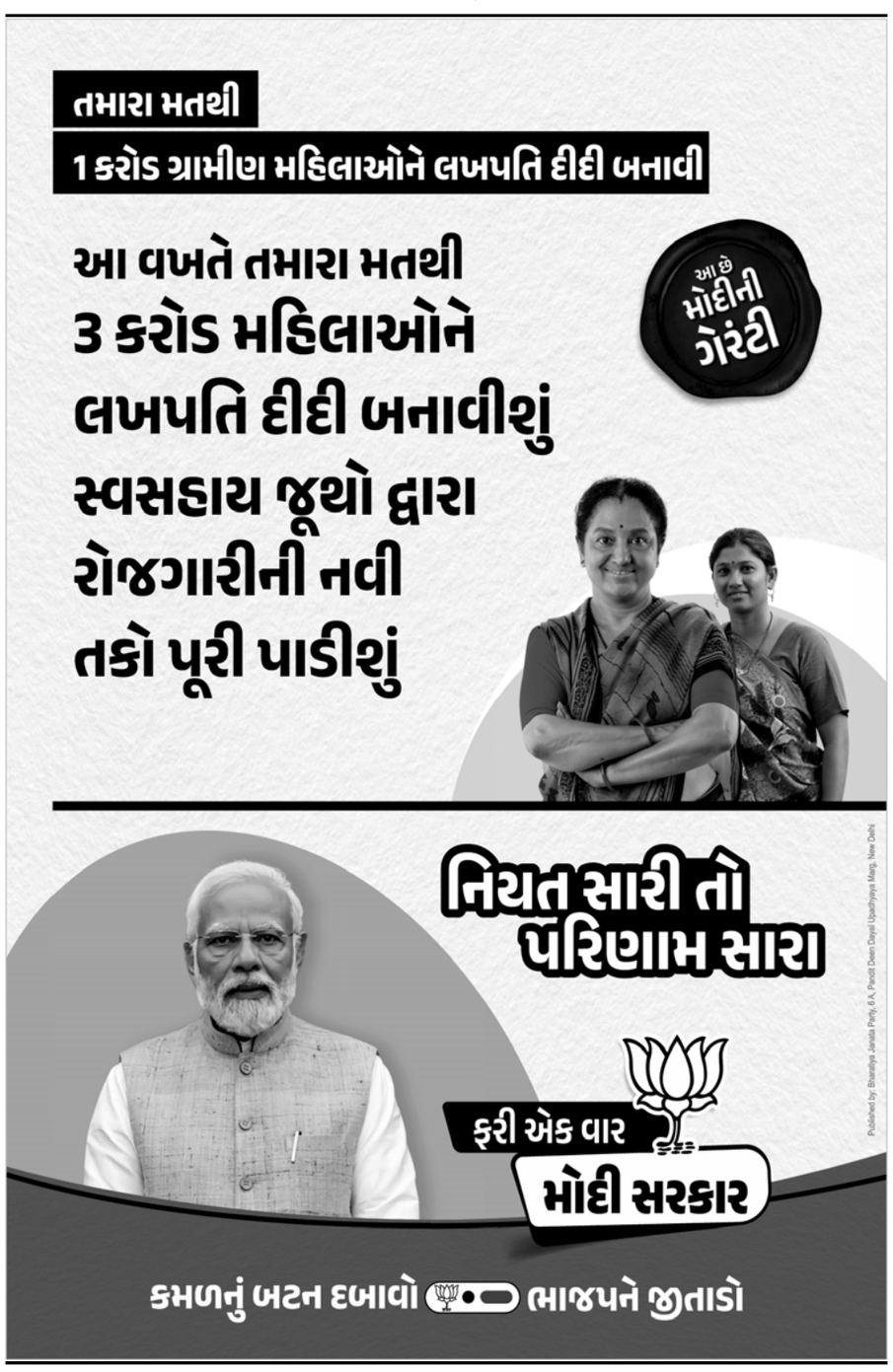

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96